राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 8 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–43 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक को कोर्ट ने अब 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक की ईडी हिरासत सोमवार को खत्म हो गई है. मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने अब उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. नवाब मलिक 14 दिन यानी 21 मार्च तक न्यायिक कस्टडी में रहेंगे. मालूम हो कि दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 23 फरवरी को ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था. ईडी ने मलिक को गिरफ्तार कर 3 मार्च तक की रिमांड पर लिया था. 3 मार्च को अदालत ने नवाब मलिक की हिरासत सात मार्च तक बढ़ा दी थी. ईडी को कुछ रियल एस्टेट परियोजनाओं में नवाब मलिक के बेनामी निवेश का विवरण मिला है. ईडी ने इस मामले में 18 फरवरी को दाऊद के भाई इकबाल कासकर को गिरफ्तार किया था. इस मामले में छोटा शकील के सहयोगी सलीम कुरैशी से भी पूछताछ की गई. 3 फरवरी को, एनआईए को सूचना मिली थी कि दाऊद इब्राहिम आतंकी फंड जुटा रहा है और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद (खीट) और अल कायदा (अद) के साथ काम कर रहा है. वह करीबी सहयोगियों के माध्यम से भारत में आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित कर रहा था. ईडी ने दाऊद के खिलाफ पीएमएलए का मामला दर्ज किया था. एक अन्य मामला उसके भाई इकबाल कासकर, इकबाल कासकर, इकबाल मिर्ची और 19 अन्य के खिलाफ दर्ज किया गया था. बाद में दोनों मामलों को ईडी ने मर्ज कर दिया. केंद्रीय जांच एजेंसी ने दाऊद के सहयोगी के परिसरों से नौ छापे मारे और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए थे।

फलस्तीन में भारत के राजदूत की मौत

नई दिल्ली । फलस्तीन में भारत के राजदूत मुकुल आर्या की रहस्मयी हालात में मौत हो गई है। आर्या रमल्ला स्थित भारतीय दूतावास के अंदर ही मृत पाए गए।आर्या रविवार को रमल्ला स्थित भारतीय दूतावास के अंदर ही मृत पाए गए। अभी तक उनकी मृत्यु के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। वो एक युवा राजनयिक थे और 2008 में ही भारतीय राजनयिक सेवा से जुड़े थे। उन्होंने जून 2021 में फलस्तीन में कार्यभार संभाला था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनकी मृत्यु के बारे में जानकारी देते हुए एक ट्वीट में उन्हें एक तेजस्वी और प्रतिभावान अधिकारी बताया। फलस्तीन की सरकार ने एक बयान जारी कर कहा आर्या की मृत्यु पर विस्मय और दुख व्यक्त किया। बयान में यह भी कहा गया कि फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और प्रधानमंत्री मोहम्मद शतयेह ने सभी संबंधित विभागों को आर्या की मृत्यु के कारण के बारे में जानकारी हासिल करने के आदेश दिए हैं फलस्तीन से पहले आर्य अफगानिस्तान में भारतीय उच्च आयोग, रूस में भारतीय दूतावास और फ्रांस में यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि मंडल में काम किया था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और सिंगापुर के ली कुआं यू स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ाई की थी। फलस्तीन में भारत का पूर्ण दूतावास नहीं है। फलस्तीन में भारतीय मिशन को भारत का प्रतिनिधि कार्यालय और वहां का कार्यभार संभालने वाले भारतीय अधिकारी को भारत का प्रतिनिधि कहा जाता है। भारत ने यह कार्यालय 1996 में गजा में स्थापित किया था।

जन औषधि केंद्रों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा विशाल मध्यवर्ग : मोदी

जन औषधि दिवस

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को जन औषधि दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की लाभार्थी के साथ बात की है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मध्यम वर्ग की आमदनी का बड़ा हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है। उन्होंने कहा यदि दवाएं सस्ती होंगी तो सभी को लाभ होगा। इसलिए मध्यम वर्ग इसको आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया भी मौजूद हैं। इस दौरान उन्‍ होंने बिहार की महिला से बात कर उनसे इस बारे में जानकारी हासिल की। महिला ने बताया कि जन औषधि केंद्र से मिली दवाओं के चलते उन्‍ हें काफी फायदा हो रहा है। ये सस्‍ ती होने के साथ-साथ गुणवत्‍ ता में भी अच्छी है। वहीं ओडिशा के सुरेश ने बताया उन्‍हें भी इससे काफी फायदा हुआ है। हर माह दवाओं पर खर्च होने वाला करीब दो से ढाई हजार रुपया अब बच जाता है।पीएम मोदी ने उनसे पूछा कि वह ऐसी दवाओं के बारे में बताएं, जो दवाएं उन्‍हें जन औषधि केंद्र पर नहीं मिलती हैं। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि ऐसी कोई दवाई नहीं है, जो वहां पर नहीं मिलती हैं। पीएम मोदी ने उनसे पूछा कि वह ऐसी दवाओं के बारे में बताएं, जो दवाएं उन्‍हें जन औषधि केंद्र पर नहीं मिलती हैं। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि ऐसी कोई दवाई नहीं है, जो वहां पर नहीं मिलती हैं। बता दें कि जेनेरिक दवाओं के उपयोग और जन औषधि परियोजना के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 1 मार्च से पूरे देश में जन औषधि सप्ताह मनाया जा रहा है। इस सप्ताह जन औषधि संकल्प यात्रा, मातृ शक्ति सम्मान, जन औषधि बाल मित्र, जन औषधि जन जागरण अभियान, आओ जन औषधि मित्र बने और जन औषधि जन आरोग्य मेला जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

कोविड से मौतों का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने पर जांच का आदेश दे सकता है सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डॉक्टरों द्वारा कोविड-19 से हुई मौतों के लिए अनुग्रह राशि का दावा करने के लिए लोगों को फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने पर चिंता व्यक्त की और कहा कि वह इस मामले की जांच का आदेश दे सकता है। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति एमआर शाह की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया कि कोविड की मृत्यु से संबंधित दावों को प्रस्तुत करने के लिए एक बाहरी सीमा तय की जा सकती है, अन्यथा प्रक्रिया अंतहीन हो जाएगी। मेहता ने कहा शीर्ष अदालत ने आदेश दिया है कि डॉक्टर के प्रमाण पत्र के आधार पर अनुग्रह राशि की अनुमति दी जा सकती है और कुछ मामलों में इसका दुरुपयोग किया गया है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि वह मामले की स्वतंत्र जांच का आदेश दे सकती है और मामले को अगले सोमवार के लिए स्थगित कर दिया। फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट पर चिंता जताते हुए बेंच ने कहा, चिंता की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा दिया गया फर्जी सर्टिफिकेट एक बहुत गंभीर मुद्दा है। शीर्ष अदालत, अधिवक्ता गौरव बंसल द्वारा कोविड पीड़ितों के परिवारों को राज्य सरकारों द्वारा अनुग्रह मुआवजे के वितरण के संबंध में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने मेहता की दलीलों से सहमति जताई कि कोविड की मौत के दावों को दर्ज करने के लिए एक समय सीमा होनी चाहिए। पीठ ने कहा कुछ समय-सीमा होनी चाहिए, अन्यथा प्रक्रिया अंतहीन रूप से चलेगी। न्यायमूर्ति शाह ने फर्जी कोविड मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले डॉक्टरों के संबंध में केरल पीठ ने कहा कृपया सुझाव दें कि हम डॉक्टरों द्वारा जारी किए जा रहे फर्जी प्रमाणपत्रों के मुद्दे पर कैसे अंकुश लगा सकते हैं।

जनता ने सोच समझ के वोट दिया होगा वही लेगी सही निर्णय : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली ।

देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में सोमवार 7 मार्च को अंतिम चरण के लिए मतदान संपन्न हो गया। इसी के साथ यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में आज चुनाव के लिए वोटिंग प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे। लेकिन आज मतदान के बाद शाम को एग्जीट पोल आएंगे। इनसे काफी हद तक साफ हो जाएगा कि किस राज्य में किसकी सरकार बन रही है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर 7 चरणों में चुनाव हुई हैं, जबकि पंजाब (117 सीट), गोवा (40 सीट), उत्तराखंड (70 सीट) में एक चरण में चुनाव हुए थे। वहीं, मणिपुर की 60 सीटों पर दो फेज में चुनाव हुए हैं। उत्तर प्रदेश चुनाव पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि जनता जिस तरह से चुनाव में मतदान कर रही है और भाजपा के नेताओं को आइना दिखा रही है उससे साफ है कि सपा की सरकार आ रही है। भाजपा के नेताओं में परेशानी और चिंता से साबित होता है कि वहां (उत्तर प्रदेश में) समाजवादी पार्टी जीत रही है। बता दें कि आज यूपी में आखिरी चरण की वोटिंग चल रही है। उत्तराखंड में इस बार 632 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 626 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया है। इनमें से 17 फीसदी यानी 107 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। सबसे ज्यादा कांग्रेस ने 23 दागी उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं, बीजेपी के 13, आप के 15, बीएसपी के 10 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उत्तर प्रदेश में सभी 403 सीटों पर कुल 4442 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 4406 सीटों का विश्लेषण किया है।

इन 4406 उम्मीदवारों में से करीब 26 फीसदी यानी 1142 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। यूपी में 7वें चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। एक बजे तक 35.51 प्रतिशत वोटिंग हुई है। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है।

चुनाव नतीजों से पहले कैप्टन अमरिंदर ने की अमित शाह से मुलाकात

नई दिल्ली । पंजाब विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आ रहे हैं। वहीं, नतीजो से पहले आज पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस के नेता कैप्टन ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। ये मुलाकात गृहमंत्री के आवास पर ही हुई। कैप्टन अमरिंदर की इस मुलाकात पर जब मीडियाकर्मियों ने उनसे सवला किया तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, मैंने अमित शाह के साथ सामान्य चर्चा की है। परिणाम आने के बाद विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि, उन्होंने अमित शाह से पंजाब पर आम चर्चा की है इस बैठक का चुनाव से कोई नाता नहीं। मीडिया ने अमरिंदर से जब गठबंधन की स्थिति पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि, मैं पंडित नहीं हूं। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो भविष्यवाणी कर सके। अमरिंदर ने आगे कहा कि, मेरी पार्टी ने अच्छा किया है। बीजेपी ने भी अच्छा किया है। देखते हैं क्या होता है। पंजाब विधानसभा की 117 सीटों के लिए चुनाव कराए गए। वहां कांग्रेस अपनी सत्ता बचाने के लिए लड़ रही है। साल 2017 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 117 में से 77 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि सत्तारूढ़ अकाली-बीजेपी गठबंधन केवल 18 सीटें ही जीत पाया था।

भारत ने फिर से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परिक्षण किया

नई दिल्ली । रुस-यूक्रेन जंग के बीच भारत ने फिर से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परिक्षण किया है। दो दिन पहले भी भारत ने इसका टेस्ट किया था। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक मिसाइल ने अधिक दूरी पर सटीक हमला करने में खुद को साबित किया है। मिसाइल को अंडमान-निकोबार समुद्र से एक निर्जन टापू पर लांच किया गया था। मिसाइल ने अपनी निर्धारित जगह पर एकदम सटीक हमला किया। इस मिसाइल को बिना वारहेड के लांच किया गया था। बता दें कि भारतीय नौसेना ने आईएनएस चेन्नई से लंबी दूरी तक हमला करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परिक्षण किया था। उस वक्त मिसाइल को आईएनएस चेन्‍ नई से लांच किया गया था, जो पूरी तरह से स्‍ वदेश में निर्मित पोत है। इस टेस्ट में भी मिसाइल ने तय लक्ष्य पर सटीक वार किया था। इस मिसाइल में कई एडवांस फीचर्स शामिल किए गए हैं, इसकारण इसकी मारक क्षमता और बढ़ गई है। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल की यदि खासियत की बात करें, तब ये 400 किमी.तक की रेंज में बेहद सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। अब वैज्ञानिक इसकी रेंज को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। इस लेकर लगातार टेस्ट भी किए जा रहे हैं। यह मिसाइल को भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है, ये दुनिया की सबसे विशे वसनीय और घातक मिसाइलों में से एक है।

विधानसभा चुनाव कराने वाले ही लोकतंत्र के अपने अधिकार से रहे दूर

नई दिल्ली । विधानसभा चुनाव 2022 में करीब 39 फीसदी मतदान कम हुआ है। कम मतदान के पीछे वोटरों के साथ सरकारी मशीनरी की लचर व्यवस्था भी बड़ी वजह बनी है। आमजन के साथ ही चुनाव संपन्न करा रहे सैकड़ों मतदाता प्रशासन की लापरवाही के कारण मतदान से वंचित रह गए। चुनाव ड्यूटी में लगे टैक्सी चालकों को तो मतदान करने का मौका ही नहीं दिया गया। वहीं, कई बूथों में लोग मतदान करने पहुंचे भी तो उन्हें अपने नाम मतदाता सूची से गायब मिले। जनपद की चारों विधानसभा सीट में इस बार 14 फरवरी को 60.31 फीसदी मतदान हुआ है, जो वर्ष 2017 की अपेक्षा 0.27 फीसदी कम है। मतदान का यह प्रतिशत बढ़ भी सकता था, अगर प्रशासन ने गंभीरता दिखाई होती। दरअसल, मतदान के दिन कई मतदाता बूथ तक पहुंचे, लेकिन मतदाता सूची में नाम न होने से उन्हें मायूस होकर घर लौटना पड़ा। मिली जानकारी के मुताबिक चारों विधानसभा सीटों में करीब दो हजार मतदाता, सूची में नाम न होने से वे वोट नहीं डाल सके। धारचूला के दूरस्थ कुरीला में तो एक ही गांव के 40 से 50 लोगों के नाम सूची से गायब मिले। सामाजिक कार्यकर्ता सोनू मर्तोलिया ने कहा प्रत्येक चुनाव में ऐसे ही 50 से अधिक गांव के लोगों के नाम गायब होते हैं। उन्होंने बीएलओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा गांव तक सड़क सुविधा नहीं है।

निजी मेडिकल कॉलेजों की आधी सीटों पर सरकारी मेडिकल कॉलेज के समकक्ष ही लगेगी फीस : पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन के बीच जंग के चलते यहां अध्ययनरत हजारों भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे थे जिन्हें ऑपरेशन गंगा के तहत भारत लाया गया है। इनमें से ज्यादातर छात्र यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई के लिए गए हुए थे। बताया जाता है कि यूक्रेन में भारत की तुलना में मेडिकल की पढ़ाई काफी सस्ती है। यूक्रेन से लौट आए छात्रों से मुलाकात के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सरकार इस बात को लेकर जरूर कुछ करेगी। इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने तय किया है कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में आधी सीटों पर सरकारी मेडिकल कॉलेज के बराबर है फीस लगेगी। जाहिर सी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से यह फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है जब हजारों विद्यार्थियों की किस्मत दांव पर है। सस्ती फीस की वजह से कई भारतीय विदेशों में जाकर मेडिकल की पढ़ाई करते हैं। लेकिन सरकार के इस कदम से उन्हें भी भारत में रहकर पढ़ाई करने में मदद मिलेगी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जन औषधि दिवस पर लोगों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया।

इसी दौरान प्रधानमंत्री की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले सरकार की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है जिसका लाभ गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को मिलेगा। अपने संवाद में प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को निरंतर मजबूत कर रही है। आजादी के इतने दशकों के बाद भी देश में केवल एक एम्स था, लेकिन आज देश में 22 एम्स है। हमारा लक्ष्य देश के हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज खोलने का है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर आगे बढ़ रहे भारत में सबके जीवन को सम्मान मिलें। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही सरकार जिसका बड़ा लाभ गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को मिलेगा।

यूपी में सातवें चरण के चुनाव में ईवीएम में बंद हुई कई बाहुबलियों की किस्मत

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में सातवें चरण में योगी सरकार के कई मंत्रियों के साथ-साथ कई बाहुबलियों की भी किस्मत दांव पर है। पूर्वांचल में कई बाहुबलियों का बोलबाला रहा है और इन बाहुबलियों की चुनावी ताकत भी समय-समय पर देखने को मिलती रही है। सातवें चरण में देखें तो कई बाहुबली सीधे या फिर उनके कोई रिश्तेदार चुनावी मैदान में हैं। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की सियासी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उनका बेटा अब्बास चुनावी मैदान में उतरा है। इसके अलावा बृजेश सिंह के भतीजे भी इस बार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। इन बाहुबलियों में धनंजय सिंह का भी नाम शामिल है, जोकि जौनपुर की माल्हानी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश में सातवें चरण के चुनाव में इन बाहुबलियों का दबदबा दिखेगा? मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी मऊ सदर विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में हैं। अब्बास अंसारी सुभासपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं जिसने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर रखा है। अब्बास अंसारी के खिलाफ भाजपा के अशोक सिंह चुनावी मैदान में हैं। सातवें चरण में मऊ सीट सबसे चर्चित सीटों में से एक है। आपको बता दें कि मऊ की इस सीट से मुख्तार अंसारी 25 सालों से विधायक हैं।

लेकिन इस बार उनकी जगह उनके बेटे ने चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। जौनपुर की मल्हनी सीट भी इस बार चर्चा में है। यहां से पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह चुनावी मैदान में है। धनंजय सिंह को जदयू ने चुनावी मैदान में उतारा है।

लाल किले पर निशान साहिब फहराना गलत नहीं था केंद्र पर फिर बरसे सत्यपाल मलिक

नई दिल्ली । मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने किसान आंदोलन के दौरान लाल किले पर निशान साहिब फहराए जाने को सही ठहराया है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं था। किसान आंदोलन के लिए एक बार फिर केंद्र सरकार और उसके नेताओं की तीखी आलोचना करते हुए मलिक ने किसानों से आह्वान किया कि वे सत्ता बदलने और किसानों की सरकार बनाने के लिए एकजुट हों। उन्होंने कहा कि वह राज्यपाल के पद पर उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद खुद देशभर का दौरा कर किसानों को एकजुट करेंगे। मलिक का कहना था कि सरकार ने किसानों से आधा-अधूरा समझौता कर उन्हें धरने से उठा दिया, लेकिन मामला जस का तस है। राज्यपाल ने आरोप लगाय कि प्रधानमंत्री के एक दोस्त पानीपत में 50 एकड़ क्षेत्र में गोदाम बनाकर सस्ते भाव में गेहूं खरीदने का सपना पाले हुए हैं। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक रविवार को यहां गांव कंडेला में आयोजित कंडेला खाप एवं माजरा खाप द्वारा आयोजित किसान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मलिक ने यह भी खुलासा किया कि उनके कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि वह उपराष्ट्रपति या राष्ट्रपति बन सकते हैं, इसलिए उन्हें चुप रहना चाहिए। लेकिन मलिक के अनुसार, मैंने उन्हें कहा कि मैं इन पदों की परवाह नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि उनके लिए राज्यपाल का पद महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे सत्ता बदलने के लिए एकजुट हों और दिल्ली में स्वयं की सरकार बनाएं ताकि उन्हें किसी से कुछ न मांगना पड़े बल्कि लोग उनसे मांगे। मलिक ने क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री का आवास (किसानों के धरना स्थल से) मात्र दस किलोमीटर दूर था, और एक साल से अधिक समय तक चले उनके आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में किसानों की जान गई। मलिक ने कहा लेकिन सरकार की तरफ से कोई संवेदना प्रकट करने नहीं आया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी उसूलों से समझौता नहीं किया और अपने पद की परवाह किए बगैर किसानों की आवाज को उठाया। पिछले साल 26 जनवरी को कथित आंदोलनाकरियों द्वारा दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर निशान साहिब का झंडा फहराए जाने को सही ठहराते हुए मलिक ने कहा कि वह फैसला गलत नहीं था। अपने पद की परवाह किए बगैर किसानों की आवाज को उठाया। पिछले साल 26 जनवरी को कथित आंदोलनाकरियों द्वारा दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर निशान साहिब का झंडा फहराए जाने को सही ठहराते हुए मलिक ने कहा कि वह फैसला गलत नहीं था। उन्होंने कहा कि जिस निशान साहिब को फहराया गया, वह उनका (किसानों का) हक था। मलिक ने अनुच्छेद 370 के बारे में कहा कि जब उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने का निर्णय लिया तो राजनीतिक बवाल मच गया था। उन्होंने कहा कि पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने खून की नदियां बहने की बात कही, तो वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारूख अब्दुल्ला ने कहा था कि देश का झंडा कोई नहीं उठाएगा।

सुविचार

उर्दू लिखने के लिये देवनागरी अपनाने से उर्दू उत्कर्ष को प्राप्त होगी। - खुशवन्त सिंह

संपादकीय

विज्ञान पर असर

रूस-यूक्रेन युद्ध का असर विज्ञान पर भी दिखने लगा है। जहां तक इन दोनों देशों की बात है, तो वैज्ञानिक शोध लगभग थम गया है। पहले व दूसरे विश्व युद्ध के दौरान भी सकारात्मक शोध लगभग थम गया था और अच्छे वैज्ञानिक भी अपनी-अपनी सरकारों की सैन्य सेवा में लग गए थे। ऐसे वैज्ञानिकों की फेहरिस्त लंबी है, जो युद्ध के साजो-सामान बनाने में जुटे थे। हिटलर ने विज्ञान व वैज्ञानिकों का भयानक दुरुपयोग किया था। अब रूस-यूक्रेन युद्ध के बढ़ने पर विश्व की तमाम सैन्य-शक्तियों व महाशक्तियों का ध्यान नकारात्मक गतिविधियों की ओर ज्यादा जाए, तो कोई आश्चर्य नहीं। युद्ध शिक्षा को किस तरह से प्रभावित करता है, यह तो हम यूक्रेन से लौट रहे छात्रों की समस्या में देख ही रहे हैं। यूक्रेन के जो विश्वविद्यालय या वैज्ञानिक संस्थान शोध कार्य में लगे होंगे, उन्हें धनाभाव में भी काम रोकना पड़ेगा। कई रिपोर्टों से पता चलता है कि रूस में भी वैज्ञानिक बिरादरी सहमी व थमी हुई है। उधर अमेरिकी संस्थान नासा ने भी स्पष्ट कर दिया है कि उसके पहले चालक दल वाले आर्टेमिस मिशन को 2026 से पहले लॉन्च नहीं किया जा सकेगा। यह खबर नासा द्वारा चंद्रमा के चारों ओर आर्टेमिस-1, बगैर चालक वाली उड़ानों में देरी की अधिसूचना के बाद आई है। इसका अर्थ यह है कि अमेरिका का मानव-चंद्र मिशन किसी भी सूरत में 2025 से पहले पूरा नहीं होगा। अमेरिका ही नहीं, पूरी दुनिया में अंतरिक्ष अन्वेषण पर असर की शुरुआत हो चुकी है। जमीनी घटनाओं का नकारात्मक असर अंतरिक्ष में तरंगित होने लगा है। रॉकेट लॉन्च सिस्टम से लेकर मंगल ग्रह को खंगालने के लिए प्रस्तावित रोवर तक असर साफ है। युद्ध के तनाव ने दुनिया को भटका दिया है। बढ़ते तनाव के कारण अंतरिक्ष मिशन की एक विस्तृत श्रृंखला को टालना या रद्द करना पड़ रहा है। यूरोपीय संघ, अमेरिका और कई अन्य ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिए हैं; नतीजतन, रूस लगातार अपनी अंतरिक्ष संबंधी योजनाओं को बदल या रद्द कर रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान की रूस पर निर्भरता को सब जानते हैं, अत- अनेक देशों में विज्ञान या अंतरिक्ष विज्ञान प्रभावित होने वाला है। लग रहा है कि रूस और यूरोपीय संघ का संयुक्त मंगल अभियान भी भटक जाएगा। कई वर्षों के प्रयासों के बाद रूस और यूरोप करीब आए थे, लेकिन अब संशय के बादल मंडराने लगे हैं। अंतरिक्ष आधारित ईरोसिता टेलेस्कोप सिस्टम को रूस और जर्मनी मिलकर चला रहे थे, पता नहीं अब इस वैज्ञानिक अभियान का क्या होगा? नेविगेशन सैटेलाइट्स और वनवेब इंटरनेट नेटवर्क पर भी असर पड़ना तय है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर अभी तक असर नहीं पड़ा है, लेकिन आने वाले दिनों में इस स्टेशन से रूस को अलग करने की कोशिश अमेरिका कर सकता है। जो दुनिया विज्ञान की उपलब्धियों की ओर मिलकर चली थी, वह घायल होती दिख रही है। चीन पर अभी तक कोई असर नहीं है, लेकिन वैज्ञानिक अच्छी तरह जानते हैं, इस युद्ध से चीन सर्वाधिक फायदे में रहेगा। चिंता की बात यह है कि बीजिंग की विश्वसनीयता अभी वैसी नहीं है, जैसी अमेरिका या रूस की है। चीन ने तो अभी तक कोरोना संबंधी जांच को ही दुनिया से साझा नहीं किया है। दुनिया की भलाई इसी में है कि जल्द से जल्द युद्ध समाप्त हो और विज्ञान सकारात्मक दिशा में फिर से बढ़े।

आधी दुनिया पर बढ़ते अत्याचार कब रुकेंगें ?

(लेखक- नरेन्द्र भारती)

8 मार्च 2022 विश्व महिला दिवस पर विशेष

बेशक 8 मार्च 2022 को विश्व महिला दिवस मनाया गया जा रहा है। विश्व महिला दिवस 2022 की थीम जेंडर इक्वालिटि टुडे फार ए सस्टेनेबल टुमारो यानी एक स्थायी कल के लिए लैंगिक समानता रखी गई है।साथ ही इस बार महिला दिवस का रंग पर्पल ग्रीन और सफेद भी तय किया गया है।जिसमें पर्पल न्याय और गरिमा का प्रतिक है।जबकि हरा रंग उम्मीद और सफेद रंग शुद्धता से जुड़ा आज महिला दिवस पर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। है।साल 1910 में कोपेनहेगन मे कामकाजी महिलाओं द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।जिसमें 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के तौर पर हर साल मनाने का सुझाव दिया गया था।तभी से विश्व महिला दिवस मनाया जाने लगा है। सबसे पहले 1911 में आस्टरिया ,डेनमार्क, जर्मनी औा स्विटजरलैंड में विश्व महिला दिवस मनाया गया था।आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छु रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो,बस,सड़क ,गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है।प्रतिदिन हैंवानियत की हदें लांघी जा रही है महिलाओं की अस्मिता का जनाजा निकाला जा रहा है।कश्मीर से कन्याकुमारी तक मंहिलाएं असुरक्षित है।आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं।विश्व गुरु हलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है।2020 में लॉकडाउन के समय महिलाएं सुंरक्षित थी मगर ज्यों ही लॉकडाउन खुल गया हैवानों ने हैवानियत शुरु कर दी थी।2021 में भी दरिदगी की हदें पार होती रही थी।आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है।वर्ष 2022 में भी हालात सुधर नहीं रहे है देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं।बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है।यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं।आज महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय≤ पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं।बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी,अपराध की तारीख बदल जाती है ,मगर तस्वीर नहीं बदलती।आंकड़ों के अनुसार 12 सितंबर 2018 को हरियाणा के रेवाड़ी में एक 19 साल की मेधावी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया था। 27 जून 2018 को मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह बच्ची तीसरी में पढ़ती थी। मासूम से हुई दरिदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली थी। दरिदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया था उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिदों ने दरिदंगी की हदे पार कर दी थी। 16 दिसंबर 2012 सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्म की वारदात से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना बहुत ही दुखद थी।हर रोज अस्मत लूटी जा रही है।दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है।दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है।जंगलराज स्थितियां बन रही है।कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।वर्ष 2021 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।साल के दो माह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है।इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजॉफा होता जा रहा है।देश में दरिदगी की वारदातें कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसेप्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 26 मार्च 2017 को उतर प्रदेश के लखीमपुरीमें दो नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। ऐसी वारदातें खौफनाक है।रेप व हत्या की ऐसी घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं।26 मार्च को ही नई दिल्ली में एक युवक ने एक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया।देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। 2018 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2021 के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरुआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर मार्च माह तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हो चुंकी हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है औरनिरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उतर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्व समाज को कारवाई करनी चाहिए।

कैसे एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए रूस-यूक्रेन?

- योगेश कुमार गोयल

रूस और यूक्रेन की जंग, दिन बीतने के साथ तबाही की नई तस्वीर पेश कर रही है। इस जंग में दोनों देशों के सैनिकों के अलावा काफी आम लोग भी मारे जा चुके हैं। एक भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा की गोलीबारी के कारण और एक की ब्रेन हेमरेज से मौत हुई है जबकि एक छात्र गोलियां लगने से घायल हुआ है। वैसे यूक्रेन पर रूस ने पहली बार हमला नहीं किया है बल्कि 2014 में भी उसने यूक्रेन का हिस्सा रहे शहर क्रीमिया पर हमला कर उसे कब्जा लिया था और तब रूस का कहना था कि उसने रूसी लोगों की सुरक्षा के लिए ही क्रीमिया पर कब्जा किया है। पिछले 8 साल में यूक्रेन में सरकार तथा रूसी समर्थक अलगाववादियों के बीच संघर्ष में करीब 15 हजार लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि यूक्रेन की राजधानी कीव को 'रूसी शहरों की मां' कहा जाता रहा है और रूस तथा यूक्रेन के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, ऐसे में महत्वपूर्ण सवाल यही है कि आखिर क्या कारण रहे कि रूस ने पूरी दुनिया की धमकियों और प्रतिबंधों की परवाह किए बिना यूक्रेन पर हमला बोल दिया? क्यों दो पड़ोसी देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए? यूक्रेन रूस की आंखों में तब से खटक रहा है, जब 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अस्तित्व में आया और उसने तब अपनी आजादी का ऐलान करते हुए रूसी प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए पश्चिमी देशों से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की थी। अपनी ताकत बढ़ाने के लिए यूक्रेन नाटो में शामिल होना चाहता था और अपनी भौगौलिक स्थिति का लाभ उठाते हुए अमेरिका से मांग कर रहा था कि उसे भी नाटो का सदस्य बनाया जाए। यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनने से रोकने के लिए पुतिन ने उस पर दबाव बनाने के लिए कुछ महीनों से यूक्रेनी सीमा पर अपने लाखों सैनिकों को तैनात रखा और तभी से यूक्रेन पर रूस के संभावित हमले की चर्चाएं शुरू हो गई थी। हालांकि कई महीनों तक रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन पर हमले की किसी भी योजना से इनकार करते रहे किन्तु रूस जिस प्रकार पिछले एक साल से यूक्रेन की घेराबंदी करने में जुटा था, उससे पूरी दुनिया को रूस के अगले कदम का भली-भांति अहसास हो गया था। हालांकि यूक्रेन पर 24 फरवरी को शुरू किए गए हमलों को रूस उस पर कब्जा करने के लिए किया जा रहा युद्ध नहीं बता रहा है बल्कि उसका दावा है कि वह यूक्रेन के लोगों को अत्याचार से मुक्ति दिलाना चाहता है। रूस का दावा है कि वह यूक्रेन के लोगों को आजाद कराने के लिए ये हमले कर रहा है और उसकी यूक्रेनी शहरों पर कब्जा करने की कोई मंशा नहीं है। यूक्रेन के राष्ट्रपति लादिमीर जेलेंस्की ने दिसम्बर 2021 में नाटो की सदस्यता लेने की घोषणा की थी लेकिन रूस किसी भी कीमत पर नहीं चाहता कि यूक्रेन नाटो के साथ जुड़े। यही रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े भयानक युद्ध का प्रमुख कारण बना। यूक्रेन पर बढ़ता अमेरिकी और यूरोपीय देशों का प्रभाव लंबे समय से रूस की आंखों की किरकरी बना था और यही कारण रहा कि रूस ने उसे नाटो का सदस्य बनने से रोकने के लिए दुनिया के बड़े-बड़े देशों से नाराजगी मोल लेते हुए भी उसके साथ साधे तौर पर युद्ध की शुरूआत कर दी। वैसे भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बरसों से कहते रहे हैं कि यूक्रेन कभी एक स्वतंत्र राष्ट्र था ही नहीं। रूस की यूक्रेन के साथ दो हजार किलोमीटर से भी ज्यादा लंबी सीमा है और यदि यूक्रेन नाटो में शामिल हो जाता है तो इस रूसी सीमा तक नाटो सेनाओं की पहुंच बहुत आसान हो जाएगी। फिलहाल पश्चिमी देशों से रूसी राजधानी मास्को की जो दूरी करीब 1600 किलोमीटर है, वह रूसी सीमा तक उनकी आसान पहुंच के कारण घटकर महज 640 किलोमीटर रह जाएगी। दूसरी ओर यूरोप में रूस के बढ़ते दबदबे को रोकने के लिए अमेरिका तथा यूरोपीय देश यूक्रेन का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर रहे हैं। रूस तो यूक्रेन को खुलेआम पश्चिमी दुनिया की कठपुतली बताता रहा है और कहता रहा है कि अमेरिका सहित नाटो के सदस्य देश यह लिखित गारंटी दे कि वे पूर्वी यूरोप तथा यूक्रेन में अपनी सैन्य गतिविधियां नहीं करेंगे। दरअसल नाटो के जरिये अमेरिका रूस की घेराबंदी करने के प्रयासों में जुटा रहा है। नाटो में फिलहाल तीस देश हैं और नाटो देशों के बीच यह समझौता है कि यदि नाटो के किसी भी देश पर कोई दूसरा देश हमला करता है तो उसे नाटो के सभी सदस्य अपने ऊपर हुआ हमला मानेंगे और उस हमले का अपनी मिली-जुली सैन्य शक्ति से जवाब देंगे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से ही अमेरिका तथा सोवियत रूस के बीच कट्टर प्रतिद्वंदिता रही। 1991 में सोवियत संघ को 15 हिस्सों में बांटकर अमेरिका पूरी दुनिया की अगुवाई करने वाला देश बन गया। उसके बाद से ही अमेरिका नाटो के जरिये सोवियत संघ से अलग हुए देशों को अपने प्रभाव में लेने में जुट गया। नाटो की आड़ में यूरोप में बढ़ती अमेरिकी गतिविधियों के दौर में 1999 में रूस की राजनीति में व्लादिमीर पुतिन का पदार्पण हुआ, जिसके बाद से ही वह सोवियत संघ के पुराने गौरव को हासिल करने में जुटे रहे और बहुत जल्द रूस को दुनिया की एक प्रमुख सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में सफल हुए। 1999 में ही उन्होंने चेचन्या को रूस में मिला लिया था। 2008 में भी उन्होंने सोवियत संघ का हिस्सा रहे जॉर्जिया के दो राज्यों को भी स्वतंत्र देश की मान्यता देते हुए वहां अपना सैन्य अड्डा बना लिया था। हालांकि 2004 में अमेरिका को सोवियत संघ से अलग हुए तीन देशों लातविया, लिथुआनिया और इस्टोनिया को नाटो का सदस्य बनाने में सफलता मिल गई। बाल्टिक क्षेत्र स्थित इन तीनों देशों की सीमाएं भी रूस से लगती हैं, जिससे अमेरिका की पहुंच इन सीमाओं तक आसान हो गई।

आज के कार्टुन

लगाव

जग्गी वासुदेव/ मैंने कभी नहीं कहा कि आप अपने संबंधों के धागे काट दीजिए। अफसोस की बात है कि फिलहाल आपके संबंधों के धागे बहुत कम लोगों से जुड़े हैं। आखिर, आप अपने धागे को काटना क्यों चाहते हैं? जीवन को जानने का सिर्फ एक ही तरीका है- जीवन से जुड़ना। आप जुड़ाव नहीं रखेंगे, तो क्या जीवन में कभी किसी भी चीज के बारे में जान पाएंगे? जब आप जुड़ने में भेदभाव करते हैं, तो यह उलझन बन जाता है। आप बिना किसी भेदभाव के जुड़ें। जिस धरती पर चलते हैं, जो भोजन करते हैं, जो पानी पीते हैं, जिस हवा में सांस लेते हैं, और उस स्थान में जहां रहते हैं, कोशिश कीजिए कि इन सारी चीजों से पूरी तरह जुड़ सकें। हालांकि इन चीजों से तो आप अभी भी जुड़े हुए हैं, लेकिन फिलहाल यह जुड़ाव अचेतन है। आप उस हवा से जुड़ाव नहीं रखेंगे, जिसमें आप सांस लेते हैं, तो आप मर जाएंगे। आपको बस जुड़ाव को लेकर सचेतन होना है। आप किसी चीज से अचेतन रूप से जुड़ते हैं, तो यह एक बड़ा बोझ लगता है। लेकिन आप सचेतन रूप से किसी चीज से जुड़े हुए हैं, तो यही अनुभव आनंदमय अनुभव बन जाता है। वैज्ञानिक प्रमाण हैं कि शरीर के परमाणु का हर कण इस पूरे ब्रह्मांड के साथ संपर्क बनाए हुए है। इसे नजरअंदाज करके आप उस विशाल शक्ति को अनदेखा करने की कोशिश कर रहे हैं, जो आपके जीवन और इस सृष्टि का आधार है। अपने परिवार से जुड़ना, आपकी पीड़ा का कारण नहीं है, बल्कि आपकी पीड़ा का कारण जीवन को अनदेखा करना है। जीवन का अनुभव केवल जीवन से जुड़कर ही किया सकता है। जितनी मजबूती से जुड़ेंगे, जीवन को लेकर होने वाले अनुभव भी उतने ही प्रबल होंगे। अपने जुड़ाव को लेकर आपके भीतर डर इसलिए आया कि पिछली बार आपका जुड़ाव जहां हुआ था, वहां से आपको चोट मिली। इसलिए अब आपके भीतर विरक्ति है। खुद को जीवन से अलग करना चाहते हैं, तो अपने सर में गोली मार सकते हैं। यह सचमुच आपको जीवन से अलग कर देगा। आप यहां जीवन का अनुभव करने के लिए आए हैं, या फिर उसको अनदेखा करने के लिए? सबसे पहले हम यही तय करते हैं। आप जीवन में रहना भी चाहते हैं, और उससे दूरी भी चाहते हैं। ऐसा करके आप खुद को मृत्यु तक कष्ट देते रहेंगे। आज लोगों के साथ यही हो रहा है।

सू-दोकू नवताल - 2063

	9			7	4	5	8	
3				2				
		1				6		3
2		9			6		1	
		4		8		2		
	6		7			9		4
4		7				3		
				5				6
	1	6	2	3			5	

सू-दोकू 2062 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2063

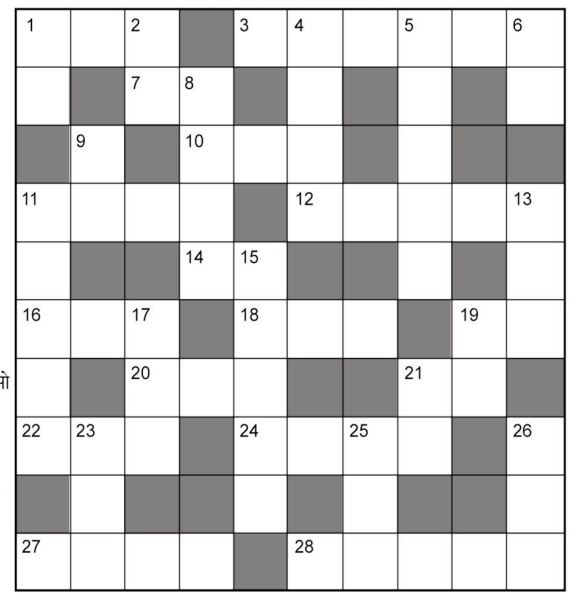

बायें से दायें:-

1. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-3
3. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-3,3
7. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-2
10. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-3
11. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-4
12. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-2,3
14. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-2
16. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-3
18. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
19. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
20. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-3
21. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-2
22. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-3
24. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-4
27. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-4
28. फिल्म 'मासूम' का नायक था-2,3

ऊपर से नीचेः-

1. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
2. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की 1986 की एक फिल्म-2
4. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-4
5. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-2,1,2
6. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
8. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
11. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-3,2
13. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-3
15. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-5
17. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
19. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-2
21. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-2
23. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-3
26. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 2062

मध्यपूर्वी देशों में अनाज संकट का कारण बनेगा रूस-यूक्रेन युद्ध

गेंहू के वैश्विक निर्यात के मामले में रूस और यक्रेन का 30 फीसदी योगदान

मॉस्को ।

रूस और यूक्रेन के युद्ध का असर अन्य देशों पर भी पड़ता नजर आ रहा है। खबर है कि दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष के चलत मध्यपूर्वी देशों में अनाज का कमी का संकट गहरा सकता है। खास बात है कि गेंहू निर्यात के मामले में रूस पहले स्थान पर है। जबकि यूक्रेन चौथे स्थान पर है। गेंहू के वैश्विक निर्यात के मामले में दोनों देश मिलकर 30 फीसदी का योगदान देते हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई की घोषणा की थी। जानकारी के अनुसार युद्ध कुछ सप्ताह और चला तो इसे यूक्रेन वासियों को गेंहू नहीं बो सकेंगे। साथ ही पश्चिम की तरफ लगाए प्रतिबंधों के चलते रूस अपना अनाज बेच नहीं पाएगा। ऐसे में अनाज की कीमतें तेजी से बेढ़ेंगी, जिसका असर ब्रेड, दूध, मांस और अन्य उत्पादों की कीमतों पर पड़ेगा। मध्य पूर्व के अलावा दुनिया के कई और हिस्से में भी आपूर्ति के लिहाज से प्रभावित हो सकते हैं। एजेंसी ने एफएओ की 2020 की बैलेंस शीट के हवाले से बताया कि लेबनान ने गेंहू की राष्ट्रीय खपत का 80 फीसदी यूक्रेन और 15 फीसदी रूस से खरीदा था। मिस्त्र ने 60 प्रतिशत रूस और 25 फीसदी खरीद यूक्रेन से की थी। वहीं तुर्की में 66 फीसदी गेंहू रूस और 10 फीसदी यक्रेन से आया। मध्य पूर्व के कई देशों की सरकारों को अनाज की बढ़ी हुई कीमतों पर भुगतान करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मिस्त्र, लेबनान, लीबिया और तुर्की में हालात खासतौर से खराब हैं। यूक्रेन के किसानों को अपने खेतों को छोड़कर जाना पड़ा है, खेत खलिहान सूने पड़े हैं। लाखों किसान भाग चुके हैं या फिर संघर्ष कर रहे हैं या जिंदा बचे रहने की जद्दोजहद में फंसे हैं। बंदरगाह बंद कर दिए गए हैं, जहां से गेहूं एवं अन्य खाद्यान्न ब्रेड, नूडल्स या पशुचारा बनाने के लिए भेजे जाते थे। ऐसी चिंता है कि दूसरे कृषि पावर हाउस रूस से पश्चिम देशों के प्रतिबंधों के चलते अनाज निर्यात कारोबारी भी ऐसे किसी सौदे में नहीं शामिल होना चाहते, जिसमें रूस पर लगे प्रतिबंधों का असर और वे किसी परेशानी में पड़ जाएं. ।

आम बजट निरंतरता कायम रखने, कर-अनुकूल व्यवस्था प्रदान करने में मददगार: सीतारमण

बेंगलुरु।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 का बजट निरंतरता कायम रखने और एक कर-अनुकूल व्यवस्था प्रदान करने में मददगार होगा। वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के साथ बजट-बाद परिचर्चा में कहा कि बजट में इस तरह की व्यवस्था की गई है जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा तो वह इसका लाभ ले सकेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट अगले 25 साल का दृष्टिकोण पेश करता है। सीतारमण ने कहा, ''यह बजट निरंतरता कायम करने वाला, अनुकूल कर व्यवस्था उपलब्ध कराने वाला और हमारी अगले 20 से 25 साल की योजनाओं को पूरा करने वाला साबित होगा। यह हमें दृष्टिकोण प्रदान करता है और साथ ही बुनियादी ढांचे में हम जो हासिल करना चाहते हैं उसके लिए रूपरेखा भी प्रदान करता है। इससे हम खुद को गौरान्वित महसूस करेंगे।'' सीतारमण ने कहा कि बजट में प्रौद्योगिकी और अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने पर जोर है। वित्त मंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि देश अब भी कोविड-19 के प्रभाव से बाहर आने का प्रयास कर रहा है। देश को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए समर्थन देने वाली प्रणाली की जरूरत है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अब बच्चों पर भी ध्यान देने की जरूरत है जिनकी शिक्षा के दो साल खराब

हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि बजट के जरिए यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों में राज्यों की भागीदार की भूमिका हो। उनके साथ कोष साझा किया जा रहा है।

कृषि, प्रसंस्करित खाद्य उत्पादों का निर्यात अप्रैल-जनवरी में 23प्रतिशत बढ़कर 19.7 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली।

कृषि और प्रसंस्करित खाद्य उत्पादों का निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी के दौरान 23 प्रतिशत बढ़कर 19.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक साल पहले समान अवधि में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 15.97 अरब डॉलर रहा था। समीक्षाधीन अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर था। इसी तरह गेहूं का निर्यात बढ़कर 1.74 समीक्षाधीन अवधि में चावल का निर्यात 7.7 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर था। इसी तरह गेहूं का निर्यात बढ़कर 1.74 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2021-22 के पहले दस महीने में मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पादों का निर्यात 13 प्रतिशत बढ़कर 3.40 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि फलों और सब्जियों का निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 1.20 अरब डॉलर रहा। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण (एपीडा) के चेयरमैन एम अंगमुथु ने कहा, ''हम निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कृषि निर्यात नीति, 2018 के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकारों के सहयोग से बुनियादी ढांचे के विकास पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'

वैश्विक बाजारों में ईरानी कच्चा तेल न आने से बढ़ी कीमतें

न्यूयार्क ।

वैश्विक बाजारों में ईरानी कच्चे तेल के न आने से तेल की कीमतें 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय सहयोगी रूसी तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। विश्व शक्तियों के साथ ईरान के 2015 के परमाणु समझौते को फिर से जीवित करने के लिए वार्ता रविवार को अनिश्चितता के भंवर में फंस गई। रूस की यूएस गारंटी की मांग के बाद कि यूक्रेन संघर्ष पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। वह तेहरान के साथ अपने व्यापार को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। सूत्रों के मुताबिक चीन ने भी नई मांगें उठाई हैं। रूस की मांगों के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन के आक्रमण पर रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौते से कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि रविवार शाम6ः50 बजे तक ब्रेंट 11.67 डॉलर 129.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। 6ः50 बजे तक ब्रेंट 11.67 डॉलर 129.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 10.83 डॉलर बढ़कर 126.51 डॉलर हो गया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच रूस से तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बारे में बातचीत चल रही है। ब्लिंकन ने सीएनएन से रविवार को कहा था कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक दिन पहले इस विषय पर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक की थी।

बाइडन और पश्चिमी देशों ने अब तक रूस के ऊर्जा उद्योग पर प्रतिबंध नहीं लगाए हैं ताकि इससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर असर नहीं पड़े। ब्लिंकन ने कहा कि हम अपने यूरोपीय साझेदारों और सहयोगियों से रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर बात कर रहे हैं साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि दुनियाभर के बाजारों में तेल की पर्याप्त आपूर्ति रहे।

संक्षिप्त समाचार

सोने-चांदी की कीमत में जबरदस्त तेजी

बिजनेस डेस्क। सोने-चांदी की कीमतों में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारी तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर पांच अप्रैल 2022 की डिलीवरी वाला सोना सोमवार सुबह 1.99 फीसदी या 1044 रुपए के उछाल के साथ 53,603 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया। इसके अलावा तीन जून 2022 की डिलीवरी वाला सोना इस समय 2.08 फीसदी या 1104 रुपए के उछाल के साथ 54,070 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया। सोने के साथ ही चांदी की वायदा कीमतों में भी सोमवार को भारी तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में 5 मई 2022 की डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 2.48 फीसदी या 1717 रुपए की तेजी के साथ 70,877 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखाई दी। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में 5 मई 2022 की डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 2.48 फीसदी या 1717 रुपए की तेजी के साथ 70,877 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखाई दी। वैश्विक स्तर पर भी सोमवार को सोने-चांदी के भाव में तेजी देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग के अनुसार सोने का वैश्विक वायदा भाव कॉमेक्स पर सोमवार सुबह 1.47 फीसदी (29 डॉलर) की तेजी के साथ 1995.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया, जो इसका 18 महीने का उच्च स्तर है। वहीं, चांदी का वैश्विक वायदा भाव सोमवार को कॉमेक्स पर 1.13 फीसदी (0.29 डॉलर) की बढ़त के साथ 26.08 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

रूस-यूक्रेन संघर्ष से पहले जनवरी-फरवरी में चीन का निर्यात 16.3प्रतिशत बढ़ा

बीजिंग। यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले इस साल जनवरी और फरवरी में चीन के निर्यात में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, साल पहले की समान अवधि के मुकाबले जनवरी-फरवरी 2022 में निर्यात 16.3 प्रतिशत बढ़कर 544.7 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन अवधि में आयात सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत बढ़कर 428.7 अरब डॉलर रहा। विश्लेषकों का कहना है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद महंगाई बढ़ने से चीन और अन्य तेल आयातक देश प्रभावित होंगे। चीन के दूसरे नंबर के नेता प्रधानमंत्री ली केकियांग ने शनिवार को चेतावनी देते हुए वैश्विक परिस्थितियों को अस्थिर, गंभीर और अनिश्चित बताया था। चीन के दूसरे नंबर के नेता प्रधानमंत्री ली केकियांग ने शनिवार को चेतावनी देते हुए वैश्विक परिस्थितियों को अस्थिर, गंभीर और अनिश्चित बताया था।

67 करोड़ टन के उठाव के लक्ष्य को हासिल करने में जुटी कोल इंडिया

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) चालू वित्तवर्ष में 67 करोड़ टन के उठाव के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कोयले की आपूर्ति और बढ़ाने का प्रयास कर रही है। कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियां फिलहाल पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2021-22 में उठाव के आंकड़े में कहीं आगे हैं। कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने सीआईएल की अनुषंगियों के सतत प्रयासों तथा उत्साहजनक प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा है कि वे चालू वित्त वर्ष का समापन और बेहतर आंकड़ों के साथ करें। कोल इंडिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 कंपनी के लिए बेहतरीन प्रदर्शन का साल रहा है और इस दौरान उसने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। चार मार्च तक कंपनी की आपूर्ति 60.81 करोड़ टन रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2019-20 के उठाव के 60.81 करोड़ टन के लक्ष्य को चालू वित्त वर्ष समाप्त होने से करीब चार सप्ताह पहले ही हासिल कर लिया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 के उठाव के 57.5 करोड़ टन के लक्ष्य को इस साल 16 फरवरी को ही हासिल कर लिया था। वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का उठाव का आंकड़ा 58 करोड़ टन रहा था।

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद इस सप्ताह बढ़ सकते है पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर लगातार चार महीने तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ठहराव बाद इस सप्ताह वाहन ईंधन की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के 13 वर्ष के रिकॉर्ड स्तर 140 डॉलर प्रति पर पहुंचने के बावजूद ईंधन की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होने के बाद पेट्रोलियम कंपनियां अब अपने घाटे की भरपाई करने के लिए तैयार है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल, अमेरिकी तेल बेंचमार्क रविवार शाम को बढ़कर 130.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह जुलाई, 2008 के बाद कच्चे तेल का उच्चतम स्तर है। गौरतलब है कि भारत अपनी कच्चे तेल की 85 प्रतिशत जरूरत आयात के जरिए पूरा करता है। तेल की कीमतों में इस साल पहले से ही 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हो चुकी है और कमजोर रुपया देश के लिए और परेशानी बढ़ रहा है। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने कहा कि ईंधन खुदरा विक्रेताओं के घाटे को कम करने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की जरूरत है।

एडिशनल बैटरी पैक के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश

300+ केएम से ज्यादा रेंज देने का कंपनी कर रही दावा

नई दिल्ली ।

बेंगलुरु बेस्ड ईवी स्टार्ट-अप कंपनी सिंपल एनर्जी ने अब इलेक्ट्रिक स्कूटर को एक एडिशनल बैटरी पैक पेश किया है और दावा किया जाता है कि यह 300+ किमी प्रति चार्ज की राइडिंग रेंज देगा। अपडेटेड सिंपल वन इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत 1.45 लाख रुपये, एक्स-शोरूम रखी गई है।रेगुलर सिंपल वन इलेक्ट्रिक स्कूटर में 3.2 केडब्ल्यूएच फिक्स्ड बैटरी पैक और 1.6केडब्ल्यूएच रिमूवेबल मॉड्यूल मिलती है, जो 236 किमी प्रति चार्ज की राइडिंग रेंज देने का दावा करता है। अपडेटेड इलेक्ट्रिक स्कूटर में दो 1.6 केडब्ल्यूएच रिमूवेबल मॉड्यूल के साथ 3.2केडब्ल्यूएच फिक्स्ड बैटरी पैक मिलती है और दावा किया जाता है कि यह आदर्श परिस्थितियों में 300+ किमी प्रति चार्ज की राइडिंग रेंज देगा।गौरतलब है कि कंपनी ने हाल ही में अपनी इलेक्ट्रिक मोटर को भी अपडेट किया है।सिंपल एनर्जी ने घोषणा की कि इलेक्ट्रिक स्कूटर उन्नत 8.5 केडब्ल्यू मोटर के साथ आएगा, जो पहले की तरह ही 8.5 केडब्ल्यू (11.3 एचपी) की शक्ति और 72 एनएम का पीक टॉर्क विकसित करता है, लेकिन बेहतर दक्षता, थर्मल प्रबंधन और प्रदर्शन की पेशकश करने का दावा किया जाता है।इसका नियमित वैरिएंट 1.10 लाख रुपये में मिलता रहेगा। वहीं अपडेटेड सिंपल वन की कीमत 1.45 लाख रुपये, एक्स-शोरूम रखी गई है।इसकी बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है और इसकी डिलीवरी जून में शुरू होगी। बता दें कि सिंपल एनर्जी ने हाल ही में भारत में अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वन लॉन्च किया था। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर आदर्श परिस्थितियों में 236 केएम रेंज देता है।सिंपल वन ई-स्कूटर को दुनिया का सबसे लंबी दूरी का इलेक्ट्रिक स्कूटर माना जाता था।

जियो और गूगल का स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट अब मप्र-छग में मोबाइल स्टोर्स पर उपलब्ध

नई दिल्ली ।

रिलायंस जियो और गूगल ने साथ में रिसर्च कर किफायती स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट बनाया है जो अब मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 40 हजार से अधिक मोबाइल विक्रेता के यहां उपलब्ध हो गया है। ये फोन गूगल के नए प्रगति ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है। जियोफोन नेक्स्ट 6499 रुपए मात्र का है। इसको 1999 रुपए मात्र की डाउनपेमेंट देकर ईएमआई पर भी खरीदा जा सकता है और बची हुई रकम का पेमेंट 18 से 24 महीने की 300 से 600 रुपए मात्र की ईएमआई में किया जा सकता है। अच्छी बात ये है कि फोन की ईएमआई में ही कॉलिंग और डेटा की कीमत शामिल होगी। है। जियो फोन नेक्स्ट 7000 रुपए के नीचे के सेगमेंट में सबसे अच्छा विकल्प है। इस फोन में कई ऐसे बेहतरीन फीचर्स हैं जो इसको अलग बनाते हैं। जियोफोन नेक्स्ट के कैमरा में ही इनबिल्ट स्नैपचैट और ट्रांसलेशन का फीचर है। ट्रांसलेशन फीचर के जरिए किसी भी भाषा के टेक्स्ट का फोटो खींचकर उसका ट्रांसलेशन अपनी भाषा में कर सकते हैं और उसे सुन भी सकते हैं। साथ ही आप फोन के कैमरा में ऊपर देख सकते हैं कि स्टोरेज के हिसाब से कितने फोटो खींच सकते हैं या कितनी देर की वीडियो रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। जियोफोन नेक्स्ट में 5000 से ज्यादा फोटो स्टोर किए जा सकते हैं। जियोफोन नेक्स्ट में हाथ से टाइपिंग का झंझट नहीं है। आप लाइव ट्रांसक्राइब एप का उपयोग कर आप आसानी से अपनी भाषा में टाइप कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लास के लिए अगर आप फोन बच्चों को देते हैं तो इसमें पेरेंटल कंट्रोल का विकल्प भी है। जियोफोन नेक्स्ट में स्क्रीन रिकॉर्डिंग के लिए नोटिफिकेशन पैनल में बटन है इससे आप स्क्रीन पर जो भी चल रहा है उसकी रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। साथ ही एक टच में ही स्क्रीन शॉट ले सकते हैं। फोन में स्क्रीन रीडिंग और ट्रांसलेशन का बेहतरीन फीचर है जो सिर्फ एक टच पर सामने आ जाता है। इसमें आपको 10 भारतीय भाषाओं में अनुवाद की सुविधा मिलती है। इससे आप 10 अलग-अलग भारतीय भाषाओं में लिखा टेक्स्ट आसानी से सुन या पढ़ सकते हैं। फोन में आपको ओटीजी सपोर्ट भी है। इसका मतलब आप अपनी ओटीजी पेनड्राईव को फोन में लगाकर उपयोग कर सकते हैं। इससे आपको फोन का स्टोरेज मैनेज करने में आसानी होगी। ग्राहक बिना फाइनेंसिंग के भी जियोफोन नेक्स्ट को 6499 रुपए देकर खरीद सकते हैं। फोन के फीचर की बात करें तो स्क्रीन- 5.45 इंच एचडी, कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास, जियो और गूगल के सिस्टम, डुअल सिम, ऑटोमैटिक सॉफ्टवेयर और सिक्योरिटी अपडेट, एंटी फिंगरप्रिंट कोटिंग, ीबी तक बढ़ाने की सुविधा, ब्लूटूथ, वाइफाई, हॉट स्पॉट, ओटीजी सपोर्ट, जी सेंसर, लाइट सेंसर, प्रॉक्सिमिटी सेंसर आदि हैं।

हीरो इलेक्ट्रिक का नया ईडी स्कूटर पेश

नई दिल्ली । भारत में हीरो इलेक्ट्रिक ने ईडी इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश किया है। स्कूटर को कंपनी इस महीने की शुरुआत में लो स्पीड कैटगरी में पेश किया है। यह शानदार स्कूटर देखने में काफी अट्रैक्टिव है। कंपनी का यह स्कूटर इलेक्ट्रिक टू वीलर सेगमेंट में ईडी इलेक्ट्रिक स्कूटर काफी कॉम्पटिशन बढ़ा सकता है। हीरो इलेक्ट्रिक के पोर्टफोलियो में कई इलेक्ट्रिक स्कूटर्स हैं और कंपनी के ज्यादातर ई-स्कूटर लो-स्पीड कैटेगरी में आते हैं। चूंकि यह स्कूटर लो स्पीड कैटेगरी में आता है इस वजह से इस चलाने के लिए राइडर को ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत नहीं होगी और आप ब्रेफिक्र होकर इस पर राइड का मजा ले सकेंगे। इस स्कूटर को भारत में 72,000 रुपये के प्राइस टैग के साथ लॉन्च किया जाएगा। यह इस स्कूटर की एक्स-शोरूम कीमत होगी। कंपनी इसे येलो और ब्लू कलर ऑप्शन में लॉन्च कर सकती है। भारत में इसे अगली तिमाही में लॉन्च किया जा सकता है।आपको बता दें कि फॉलो मी हेडलैंप फीचर का इस्तेमाल अक्सर 4 वीलर्स में किया जाता है जहां गाड़ी को बंद करने के बाद भी उसकी हेडलाइट थोड़ी देर के लिए ऑफ नहीं होती। बात करें इस स्कूटर के टॉप स्पीड की तो यह 25केएम प्रति घंटा की टॉप स्पीड के साथ आता है। वहीं 50 से 60 किमी तक की रेंज सिंगल चार्ज में दे सकता है। यानी डेली कम्यूट के लिए यह एक शानदार और हैसल फ्री ऑप्शन होगा। हीरो इलेक्ट्रिक ईडी इलेक्ट्रिक स्कूटर में कुछ जरूरी फीचर्स को भी दिए गए हैं, जिनमें रिवर्स मोड, ई-लॉक, फाइंड माई बाइक, और फॉलो मी हेडलैम्प्स जैसी आधुनिक फीचर्स शामिल हैं।

रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के विश्व अर्थव्यवस्था पर हो सकते हैं गंभीर प्रभाव : आईएमएफ

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि यूक्रेन में चल रही लड़ाई और उसको लेकर रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों का विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। मुद्रा कोष ने कहा कि हम उभरती स्थिति का लगातार आकलन कर रहे हैं और अपने सदस्य देशों को समय से नीतिगत सलाह, वित्तीय और तकनीकी सहायता दे रहे हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशिका क्रिस्तालिना जॉर्जीएवा की अध्यक्षता में इस वैश्विक वित्तीय संगठन के कार्यकारी निदेशक मंडल की वॉशिंगटन में हुई एक बैठक में कहा गया है कि यूक्रेन में युद्ध से भारी नुकसान हो रहा है। वहां के दस लाख से अधिक लोग शरणार्थी बनकर अन्य देशों में चले गए हैं और रूस के खिलाफ अभूतपूर्व आर्थिक प्रतिबंध घोषित किए जा चुके हैं। मुद्रा कोष के बयान में कहा गया है, ति बहुत तेजी से बदल रही है और भविष्य के बारे में असाधारण अनिश्चितता है।

इसके आर्थिक प्रभाव पहले ही बहुत गंभीर हो चुके हैं। खनिज ईंधन और अन्य वस्तुओं की कीमतें जिनमें गेंहू और अन्य अनाज हैं, उछाल पर हैं। इससे मुद्रा स्थिति का दबाव और बढ़ रहा है। मुद्रा स्फीति कोविड-19 महामारी के कारण आपूर्ति श्रृंखला के टूटने से और महामारी के बाद मांग में सुधार से पहले ही ऊंची हो गई थी। बयान में कहा गया है कि महंगाई का झटका पूरी दुनिया को लगेगा। गरीब परिवार जिनकी आय का ज्यादातर पैसा भोजन और ईंधन पर चला जाता है, वे इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट का आईपीओ से 600 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

मुंबई । इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा किए हैं। एकीकृत प्रदर्शनी और सम्मेलन स्थल उपलब्ध कराने वाली कंपनी का आईपीओ से 600 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ के तहत कंपनी 450 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा कंपनी के मौजूदा शेयरधारक 1,12,10,659 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। बाजार सूत्रों का कहना है कि ग्रेटर नोएडा में स्थित यह कंपनी आईपीओ से 600 करोड़ रुपये तक जुटा सकती है। कंपनी 75 करोड़ रुपये के शेयरों के निजी नियोजन पर भी विचार कर सकती है। ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार घट जाएगा। नए शेयरों से जुटने वाली 450 करोड़ रुपये की राशि में से 316.91 करोड़ रुपये कंपनी विस्तार के लिए पूंजीगत खर्च पर लगाएगी। 17 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल कर्ज जुटाने और अन्य सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

Sports

भारत के प्रमोद ने स्पेन में जीते तीन स्वर्ण

नई दिल्ली । भारत के प्रमोद भगत ने स्पेन के विटोरिया में जारी स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों ही वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। भगत ने जीत के बाद उत्साहित होते हुए कहा है कि मेरा ध्यान फोकस अब ग्रेड वन टूर्नामेंट पर है। वहीं भारत के ही सुकांत कदम ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। एकल वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी भगत ने कुमार नीतेश को 17-21, 21-17, 21-17 से हराया। पुरूष युगल में भगत और मनोज सरकार ने अपने ही हमवतन सुकांत और नीतेश को 21-19, 11-21, 21-11 से हराया। इसके अलावा मिश्रित युगल में भगत और पलक कोहली ने अपने ही देश के रूथिक रघुपति और मानसी जोशी को 14-21, 21-11, 21-14 से पराजित किया। दूसरी ओर सुकांत ने एकल वर्ग में मार्शेल एडम को 21--8, 21-18 से हराकर स्वर्ण जीता पर पुरूष युगल में खिताबी मुकाबले में हार के कारण उसे रजत पदक ही मिल पाया।

महिला कबड्डी चैंपियनशिप

68वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशि में भाग लेगी जम्मू-कश्मीर महिला टीम

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर की सीनियर नेशनल कबड्डी टीम जम्मू-कश्मीर एमेच्योर 68वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशि में भाग लेगी। महिला कबड्डी चैंपियनशिप 10 से 13 मार्च तक हरियाणा के चरखी दादरी में होगी।मिताली मन्हास टीम की कप्तानी संभालेंगी। चैंपियनशिप के लिए संभागीय खेल अधिकारी अशोक सिंह की उपस्थिति में चयनित खिलाड़ियों को खेल किट का वितरण किया। एमए स्टेडियम के प्रबंधक सक्तिश चोपड़ा, सुरिदर मोहन महासचिव, कोषाध्यक्ष संग्राम सिंह, संजीत कुमार, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राकेश कुमार और सीनियर कबड्डी कोच अनिल शर्मा इस मौके पर मौजूद थे। सुरिदर मोहन महासचिव, कोषाध्यक्ष संग्राम सिंह, संजीत कुमार, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राकेश कुमार और सीनियर कबड्डी कोच अनिल शर्मा इस मौके पर मौजूद थे। संभागीय खेल अधिकारी अशोक सिंह और उनकी टीम ने खिलाड़ियों की स्क्रीनिंग की। जम्मू-कश्मीर एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने भी चैंपियनशिप के लिए यूटी कबड्डी टीम को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे खेल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मिताली मन्हास टीम की कप्तानी संभालेंगी।

टीम में रोशी जम्वाल, शालू देवी, रजनी रानी, सिया सैनी, सोनिया देवी, मनो बीबी, इफ्ला मजीद, मारीफत जान, प्रिया कुमारी, रिफत बशीर और रंजू देवी शामिल हैं। टीम के कोच मोहम्मद अमीन होंगे। टीम की मैनेजर अर्चना कौशल हैं।

श्रीलंका के खिलापफ दूसरे टेस्ट के लिए अक्षर की वापसी , कुलदीप बाहर हुए

मुम्बई ।

स्पिनर अक्षर पटेल की टीम इंडिया में वापसी हुई है। अभी तक फिट नहीं होने के कारण वह टीम से बाहर थे। अक्षर को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह दिन-रात्रि टेस्ट मैच 12 मार्च से बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरु होगा। भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। अक्षर की टीम में वापसी के कारण चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को टीम से बाहर बैठाया गया है। अक्षर मोहाली टेस्ट के दौरान ही टीम इंडिया से जुड़ गये थे। इसी कारण कुलदीप को अब टेस्ट दल से बाहर होना पड़ा है। टीम प्रबंधन के अनुसार टीम में अब दो बाएं हाथ के स्पिनर हो चुके हैं, ऐसे में कुलदीप की जगह नहीं बनती है। 18 सदस्यीय भारतीय टीम में आर अश्विन और जयंत यादव के रूप में दो अन्य स्पिनर भी उपलब्ध हैं। अक्षर पटेल ने अंतिम बार पिछले साल दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में खेला था। इसके बाद से ही वह चोटिल होने के कारण टीम से बाहर थे। भारतीय टीम इस प्रकार है।

रोहित शर्मा (कप्तान), प्रियांक पांचाल, मयंक अग्रवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत, रवींद्र जडेजा, जयंत यादव, आर अश्विन, अक्षर पटेल, सौरभ कुमार, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह।

वजन कम करने वाले डाइट ले रहे थे वार्न : मैनेजर

सिडनी । विश्व के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न की मौत के बाद उनकी मौत के कारणों को लेकर अलग-अगल बातें सामने आ रही हैं। पहले कहा गया था कि वे काफी अधिक शराब पीते थे तो कुछ रिपोर्ट दावा कर रही थीं कि वे ड्रग्स का अधिक सेवन करते थे पर हाल ही में वॉर्न के मैनेजर ने कहा है कि वार्न शराब और ड्रग्स का सेवन नहीं करते थे। साथ ही कहा कि वॉर्न थाईलैंड में अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मना रहे थे। वह वजन कम करने वाली डाइट ले रहे थे। उनका लक्ष्य पहले की तरह फिट होना था। ऐसे में यह बात सामने आई है कि लोग वजन कम करने के लिए काफी कठोर डाइट चार्ट का पालने करते हैं, जिससे उन्हें कई परेशानियां आ सकती हैं। वॉर्न भी वजन कम करने वाली डाइट का पालन कर रहे थे। ऐसे में अगर आप भी इस प्रकार वजन कम करने का प्रयास कर रहे हैं तो पहले डॉक्टर से सलाह ले लें। वजन कम करने वाली डाइट से शरीर पर काफी प्रभाव पड़ता है। इससे मस्कुलर स्ट्रेंथ भी कम होती है, बाल झड़ने लगते हैं, डिहाइड्रेशन हो सकता है, हार्ट रेट स्लो हो सकती है इसके अलावा चक्कर भी आ सकते हैं। कई लोगों को डाइटिंग के दौरान भूख भी लगती है और उसे कंट्रोल करके खाना न खाना काफी कठिन हो सकता है। अगर किसी को भूख लग रही है और वह डाइट के कारण खाना नहीं खा रहा है, तो उसे गैस भी बन सकती है या फिर चक्कर भी आ सकते हैं। इसके अलावा विटामिन और मिनरल की कमी भी हो सकती है। इसका कारण है कि लोग डाइट के दौरान कम कैलोरी का सेवन करते हैं, जिससे शरीर की जरूरत के मुताबिक, विटामिन और मिनरल शरीर में नहीं पहुंच पाते। थकान और सुस्ती- पहले जो लोग अधिक खाना खाया करते थे, वे लोग डाइट के कारण कम खाना शुरू कर देंगे, तो बॉडी उस तरह से रिएक्ट नहीं करेगी।

टी20 विश्व कप के लिए टीम वह वापस चाहता है यह विकेटकीपर बल्लेबाज

नई दिल्ली ।

अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक टीम इंडिया में वापसी के प्रयास में लगे हैं। कार्तिक का मानना है कि अभी वह टी20 प्रारुप खेल सकते हैं। इसी को देखते हुए वह अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काम कर रहे हैं। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से दो साल पहले 2019 में एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल में खेला था। कार्तिक भारत के लिए खेलने को लेकर पहले की तरह प्रतिबद्ध हैं और साथ ही चाहते हैं कि उनके छह महीने के जुड़वां बेटे अगले कुछ वर्षों में उन्हें शीर्ष स्तर पर खेलता हुआ देखें। कार्तिक ने कहा कि टी20 मेरे लिए शुरुआत की तरह होगा। साथ ही कहा कि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में आपको दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का मौका मिलता है और आपको अपना कौशल दिखाने का मौका मिलता है। इसलिए मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में मैं इसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर सकता हूं। विश्व कप के बाद सीमित ओवरों के प्रारूप की टीम से बाहर होने से पहले कार्तिक ने टी20 में फिनिशर की भूमिका में निभाई थी। इसके अलावा 2018 निदाहस ट्रॉफी के फाइनल में आखिरी ओवर में उनकी शानदार बल्लेबाजी से भारत ने खिताब जीता था। जिस प्रकार टीम प्रबंधन सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए मध्यक्रम में खिलाड़ियों को आजमा रहा है उसको देखते हुए कार्तिक को अपने लिए अवसर नजर आ रहा है। कार्तिक ने कहा कि टीम में चयन की पात्रता अब उम्र नहीं है। यह अब फॉर्म, फिटनेस और अनुभव पर निर्भर करता है।उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर आयु ऐसी चीज नहीं है जिसे भारतीय टीम में वापसी के दौरान देखा जाता है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर आयु ऐसी चीज नहीं है जिसे भारतीय टीम में वापसी के दौरान देखा जाता है। 36 साल की उम्र में शिखर धवन ने दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बेहतरीन बल्लेबाजी की। कार्तिक का मानना है कि छोटे प्रारूप में उम्र के साथ खिलाड़ी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि लोग अपने शरीर को समझते हैं, वे कितना क्रिकेट खेल सकते हैं। अधिक उम्र के बाद भी शोएब मलिक और हफीज टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से खेल रह हैं।

संक्षिप्त समाचार

वार्न के निधन की बात से अब तक सदमें में हैं पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग अपने साथी खिलाड़ी रहे दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के निधन के बाद से ही सदमे में हैं। पोंटिंग अबतक वार्न के असामयिक निधन के कारणों को समझ नहीं पा रहे हैं। 52 वर्षीय वॉर्न का गत शुक्रवार को थाईलैंड के एक होटल में संदिग्ध दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उनकी अचानक हुई मौत के बाद से ही खेल जगत में शोक की लहर छायी है। पूर्व क्रिकेटर ईशा गुहा से बातचीत के दौरान पोंटिंग ने कहा कि वॉर्न के निधन की बाते से वह हैरान हो गये थे।इस दौरान पोंटिंग से जब यह पूछा गया कि अगर उन्हें वॉर्न से आखिरी बार बात करने का मौका मिलता तो वह उनसे क्या कहते। इस सवाल के जवाब में पोटिंग ने कहा, मैं यह कहूंगा कि, मैं उनसे कितना प्यार करता हूं, मैंने उनके जीते जी ऐसा नहीं कहा, मुझे अफसोस है काश उनसे मैं यह तीन शब्द कह पाता। वॉर्न को थाईलैंड के एक विला में बेहोश पाये जाने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया थ पर रास्ते में ही उनकी मौत हो गयी थी। महान खिलाड़ी रॉड मार्श को खोने के 24 घंटे से भी कम समय में वॉर्न के निधन की खबर आई थी। यहां तक कि वॉर्न ने मार्श को अपने अंतिम ट्विटर पोस्ट में भावनात्मक श्रद्धांजलि भी दी थी। उस दिन का जिक्र करते हुए पोंटिंग ने कहा, मैं उठा और जल्दी से बच्चों को नेटबॉल में ले जाने के लिए तैयार कर रहा था इस दौरान पेत नी रियाना ने अपना फोन देखा और उन्होंने वॉर्न के निधन के बारे में मुझे बताया। मैंने उसे देखने के लिए पत्नी के हाथ से फोन लिया क्योंकि मुझे विश्वास नहीं हुआ कि यह सही घटना है। मेरे लिए यह इतना दुखद था कि मैं बोल नहीं सकता था। इस दौरान मैंने हर बार शेन वॉर्न के बारे में सोचा लेकिन मैं कुछ कह नहीं पा रहा था।

पाक-ऑस्ट्रेलिया मैच में विराट के पोस्टर लिए हुए नजर आये प्रशंसक

रावलपिंडी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के पाकिस्तान में भी काफी प्रशंसक हैं। यहां ऑस्ट्रेलिया के साथ रावलपिंडी में खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पाक प्रशंसक विराट के पोस्टर लिए हुए नजर आए। इससे पहले पाक सुपर लीग में भी प्रशंसक कोहली के पोस्टरों के साथ नजर आये थे। इन प्रशंसकों का कहना है कि वे कोहली को अपना 71 वां शतक पाक में लगाते हुए देखना चाहते हैं। इस दौरान एक प्रशंसक विराट का पोस्टर भी लिए हुए था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें लिखा था कि हम आपका 71वां शतक पाकिस्तान में चाहते हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें लिखा था कि हम आपका 71वां शतक पाकिस्तान में चाहते हैं। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। गौरतलब है कि भारत और पाक के बीच द्विपक्षीय सीरीज काफी समय से बंद हैं और दोनो ही टीमों का मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंट में ही होता है। वहीं कोहली के पोस्टर के साथ ही एक अन्य प्रशंसक ने लिखा था कि सबसे बड़ा मैच 23 अक्टूबर 2022 को होगा। इस दिन टी20 विश्व कप में भारत-पाक का मुकाबला होगा।

चेन्नई के पिच क्यूरेटर ने नहीं मानी थी शास्त्री और प्रबंधन की मांग

मुम्बई । साल 2021 में इंग्लैंड के भारत दौरे के समय चेन्नई के पिच क्यूरेटर के मनमानी करने के मामले में जांच की मांग उठी है। एक रिपोर्ट के अनुसार तब पिच क्यूरेटर ने पूर्व मुख्य कोच समेत घरेलू टीम प्रबंधन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया था। इसके कारण मुकाबले में भारतीय टीम को नुकसान हुआ था एक रिपोर्ट के अनुसार तब मुख्य कोच रहे रवि शास्त्री और गेंदबाजी कोच भरत अरुण इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट शुरू होने से एक दिन पहले ही 4 फरवरी की शाम को एमए चिदंबरम स्टेडियम गए थे। मुख्य कोच और गेंदबाजी कोच ने क्यूरेटर और मैदान कर्मियों से स्पष्ट रूप से कहा कि पिच को वैसे ही छोड़ दिया जाना चाहिए और पानी एवं रोलर का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए पर क्यूरेटर ने इस आदेश का पालन नहीं किया। रिपोर्ट में के अनुसार शास्त्री और अरुण के जाने के बाद क्यूरेटर ने मैदानकर्मियों से कहा कि उन्हें एक उच्च अधिकारी द्वारा पिच को पानी देने और उसे रोल करने के लिए कहा गया था। कथित तौर पर उस व्यक्ति ने स्थानीय मैदानकर्मी की सहमति के बगैर ऐसा किया।

राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चयन ट्रायल आज से : एनआरएआई

नई दिल्ली ।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने कहा है कि इस साल मार्च और अप्रैल में राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चयन ट्रायल आयोजित किये जाएंगे। एनआरएआई के अनुसार राइफल के लिए पहला और दूसरा चयन ट्रायल भोपाल में आठ से 21 मार्च तक होगा। वहीं इस दौरान पिस्टल ट्रायल दिल्ली में होंगे। चयन ट्रायल तीन और चार का आयोजन 26 मार्च से सात अप्रैल तक होगा, जिसमें राइफल का ट्रायल भोपाल जबकि पिस्टल का ट्रायल दिल्ली में किया जाएगा। कोरोना संक्रमण के खतरे के कम होने के कारण एनआरएआई ने यह फैसला किया है। हालांकि काहिरा में 26 फरवरी से शुरू होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी टीम का चयन 64वीं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के अंतिम रैंकिंग अंक के साथ-साथ क्वालीफिकेशन स्कोर को ध्यान में रखते हुए किया गया था क्योंकि तब महामारी के कारण चयन ट्रायल आयोजित नहीं किया जा सका था।

एनआरएआई ने कहा, ''कोविड-19 हालातों के कारण इस साल जनवरी 2022 में प्रस्तावित चयन ट्रायल नहीं हुए थे क्योंकि आईएसएसएफ विश्व कप, काहिरा के लिए टीमों के चयन से पहले ट्रायल आयोजित करने का समय नहीं था।'' वहीं सत्र के पहले विश्व कप की इस भारतीय टीम में मनु भाकर और अभिषेक वर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल नहीं हैं।

विराट कोहली होंगे आरसीबी के कप्तान? डेनियल विट्टोरी ने की स्थिति साफ

खेल डैस्क । आईपीएल 2022 का शेड्यूल सामने आ चुका है। 26 मार्च को पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। इसी बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान पद को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। कहा गया- विराट ही कप्तानी के उपलब्ध होंगे। अब इन्हीं विरामों पर आरसीबी के पूर्व कप्तान डेनियल विट्टोरी ने विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि फ्रेंचाइजी दूसरे विकल्पों की तलाश कर रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास कप्तानी पद संभालने के लिए विराट के अलावा दो क्रिकेटर फाफ डु प्लेसिस और दिनेश कार्तिक आगे चल रहे हैं। इन दोनों प्लेयरों के पास टवंटी-20 का लंबा अनुभव है। फाफ कप्तानी पद के लिए आगे चल रहे हैं लेकिन फ्रेंचाइजी द्वारा कप्तान का खुलासा न किए जाने पर क्रिकेट फैंस विराट की ही चर्चा करने लगे हैं। आरसीबी प्रबंधकों ने आईपीएल ऑक्शन में फाफ डु प्लेसिस को 7 करोड़ तो दिनेश कार्तिक को 5.50 करोड़ की मोटी रकम देकर खरीदा था। उम्मीद थी कि इन दोनों में से किसी एक को कप्तान बनाया जा सकता है। लेकिन ऐसा अब तक नहीं हो पाया है। बहरहाल, विट्टोरी ने कहा कि नहीं (विराट कोहली फिर से आरसीबी के कप्तान नहीं होंगे)। मुझे लगता है कि यह उतना ही सरल है। मुझे नहीं लगता कि यह कभी काम करता है। फ्रेंचाइजी या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक बार जब कप्तान आगे बढ़ जाता है, तो उसके लिए आगे बढना ही सही होता है। मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी कोहली से आगे बढ़ेगी। वे मैक्सवेल और डु प्लेसिस को और यहां तक कि दिनेश कार्तिक की ओर देखेंगे। फाफ भी मैक्सवेल की ओर देखेंगे। लेकिन अगर वे पहले तीन मैच जीत जाते हैं, तो शायद वे उसके साथ बने रहेंगे। आईपीएल में तीन साल एक लंबी अवधि का समय है। वे मैक्सवेल को तीन साल तक के लिए देखेंगे और उम्मीद है कि वह पिछले आईपीएल की तरह खेलना जारी रखेंगे।

रणजी ट्रॉफी : मध्यप्रदेश ने नॉकआउट के लिए किया क्वालीफाई

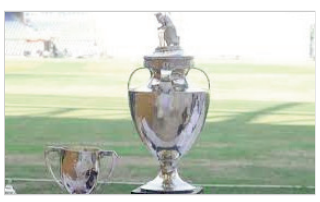

इन्दौर/राजकोट । मध्य प्रदेश व केरल के बीच राजकोट में खेले गए रणजी ट्रॉफी एलिट ग्रुप-ए का मुकाबला पहली पारी के परिणाम के बिना अनिर्णीत समाप्त हुआ, बावजूद इसके मध्य प्रदेश ने नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। संभवतः क्वार्टर फाइनल राउंड आईपीएल के बाद शुरू होंगे। इस अनिर्णीत रहे मुकाबले से दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला, जिससे ग्रुप-ए में मध्य प्रदेश व केरल दोनों ही टीमों के 14-14 अंक हो गए, लेकिन ग्रुप लीग मैचों में केरल (1.648) से बेहतर भागफल 2.147 के आधार पर मध्य प्रदेश क्वार्टर फायनल के लिए क्वालीफाई कर सका। यह भी उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश ने एलिट ग्रुप लीग मुकाबलों में शामिल 32 टीमों में सर्वाधिक भागफल 2.147 अर्जित किया है। मध्य प्रदेश की 585 रनों पहली पारी के जवाब में केरल की टीम मैच के चौथे व अंतिम दिन 2 विकेट पर 198 रनों से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन मैच की समाप्ति तक 153 ओवर के खेल में 9 विकेट पर 432 रन ही बना सका, जिससे यह मुकाबला पहली पारी के परिणाम के बिना अनिर्णीत समाप्त हुआ। केरल की ओर से सलामी बल्लेबाज पोन्नान राहुल (136) और कप्तान सचिन बेबी (114) ने शतकीय पारियॉ खेली। मध्य प्रदेश की ओर से 289 रनों की बड़ी पारी खेलने वाले यश दुबे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मध्य प्रदेश ने 2017-18 में भी रणजी ट्रॉफी के नॉक-आउट दौर के लिए क्वालीफाई किया था।

राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान देने विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों से बाहर रहेंगी मैरीकॉम

नई दिल्ली ।

भारत की अनुभवी महिला मुक्केबाज एम सी मैरीकॉम ने कहा है कि वह विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों में नहीं खेलेंगी। मैरीकॉम ने कहा है कि वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी तैयारियों पर ध्यान देने के साथ ही युवाओं को अवसर देने के लिए इन दोनो टूर्नामेंटों से अपना नाम वापस ले रहीं है। आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप तुर्की के इस्तांबुल में छह से 21 मई तक खेली जाएगी। वहीं 2022 राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से और 2022 एशियाई खेल 10 सितंबर से शुरू होंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को दिये अपने संदेश में मैरीकॉम ने कहा कि मैं युवा पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे आने और बड़े टूर्नामेंट का अनुभव हासिल करने का अवसर देने के लिए इन टूर्नामेंट में भाग नहीं लेना चाहूंगी। मैं अपना ध्यान केवल राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों पर ही लगाना चाहूंगी। विश्व चैम्पियनशिप के लिए सभी 12 वर्गों के चयन ट्रायल बुधवार को समाप्त होंगे। एशियाई खेलों के लिये पुरूषों के चयन ट्रायल्स मई में जबकि पुरूष और महिलाओं के लिये राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल्स जून में कराए जाएंगे। ट्रायल्स में एशियाई खेलों के वजन वर्ग भी शामिल हैं जो आईबीए जैसे ही हैं। वहीं बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने एक बयान में कहा कि मैरीकॉम लंबे समय से भारतीय मुक्केबाजी की पहचान रही हैं और उन्होंने दुनिया भर में कई मुक्केबाजों और खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। हम उनके फैसले का पूरा सम्मान करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किय जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग। उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था -

'कीर्तिः श्री वार्क्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं -

'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अरघ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे-खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

कब शुरू हुआ और आखिर क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास।

दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था।

सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। गरीब महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अपनी सोच से समाज में सकारात्मकता का निर्माण कर सकती है स्त्री

घर से लेकर ऑफिस तक। राजनीति से लेकर समाज तक। यह वह दौर है जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम कर रही हैं। कई मामलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ठीक इसी तरह सांप्रदायिकता और अराजकता के इस माहौल में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, दरअसल, महिलाएं अपने बच्चों, पति और घर के अन्य पुरुषों को अपनी सकारात्मक सोच और विचार से प्रभावित कर सकती हैं। इसमें कोई संशय नहीं कि किसी भी पुरुष और बच्चे में सकारात्मक सोच की शुरुआत घर से ही होती है। बच्चा घर में जैसा माहौल देखेगा या उसके परिजन खासतौर से मां जो उसे सिखाएगी, जिन विषयों पर उससे चर्चा करेगीं, वही आगे चलकर उसके विचारों में शामिल होगा। ठीक इसी तरह पुरुषों की सोच, विचार और मानसिकता को भी घर की महिलाएं बहुत हद तक नियंत्रित या यूं कहें कि प्रभावित कर सकती हैं। महिलाओं की भूमिका को इस सकारात्मक परिपेक्ष्य में इसलिए भी देखा जाना चाहिए क्योंकि शारीरिक तौर के साथ ही मानसिक तौर पर भी उन्हें 'सॉफ्ट' माना जाता है। वे कई विषयों को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं। ऐसे में जब समाज में कोई अराजक स्थिति पैदा होती है तो सबसे पहले महिलाओं से उनकी संवेदनशीलता के पैमाने पर ही अपेक्षा की जाती है। हालांकि शाहीन बाग इस मामले में अपवाद है। यहां महिलाओं की तय छवि से अलग तस्वीर नजर आई। यह सही है कि यहां महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए प्रदर्शन में शामिल हुईं हैं, लेकिन अपने मासूम बच्चों को इसमें शामिल करना, उन्हें ऐसे आंदोलनों का हिस्सा बनाना महिलाओं की छवि से अलग छवि को गढता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है, लेकिन सामाजिक जागरुकता के परिपेक्ष्य में भी महिलाओं के लिए जरुरी है कि वे अपनी ताकत को फिर से पहचाने, अपने स्त्री पक्ष से घर में, समाज में और अपने कार्यक्षेत्र में अपनी सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

नए युग की नई नारी ने प्रगति की, पर सम्मान नहीं बढ़ा

इक्कीसवीं युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास असंख्य अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा से नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के बहुरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई दिशा दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं।

इक्कीसवीं सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने वाले रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत कुछ हासिल किया है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है।

'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है।

नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है। हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

रूस की मांगें पूरी न होने तक युद्धविराम नहीं पुतिन -नेटफ्लिक्स की सेवाएं निलंबित

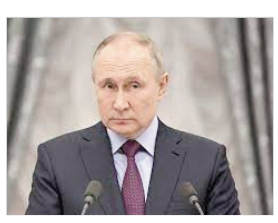

वॉशिंगटन ।

यूक्रेन पर रूस के हमले के 12 वें दिन नेटफ्लिक्स ने कहा है कि वह रूस में अपनी सेवा निलंबित कर रहा है। कंपनी ने रविवार को एक बयान जारी कर रूस में अपनी सेवाएं निलंबित करने के फैसले के लिए 'जमीनी हालात' को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, उसने कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। यह घोषणा टिकटॉक के उस बयान के बाद की गई है, जिसमें कहा गया है कि रूसी उपयोगकर्ताओं को ऐप पर वीडियो साझा करने और दुनिया के अन्य हिस्सों से डाले जा रहे पोस्ट देखने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इससे पहले, अमेरिकन एक्सप्रेस ने भी रविवार को रूस के साथ-साथ उसके सहयोगी बेलारूस में अपना परिचालन निलंबित करने की घोषणा की थी। टिकटॉक ने रविवार को कहा कि रूस में सोशल मीडिया के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के जवाब में वहां के उपयोगकर्ताओं को ऐप पर नए वीडियो साझा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। कंपनी ने ट्विटर पर जारी एक बयान में कहा, फर्जी खबरों को लेकर रूस के नए कानून के मद्देनजर हमारे पास इस कानून के सुरक्षा निहितार्थों की समीक्षा करने तक देश में लाइव स्ट्रीमिंग और नए वीडियो साझा करने की सुविधा को निलंबित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हालांकि, टिकटॉक ने स्पष्ट किया कि इस दौरान ऐप पर उसकी मैसेजिंग सेवा बहाल रहेगी। कंपनी ने कहा, वैश्विक स्तर पर जारी अमेरिकन एक्सप्रेस कार्ड अब रूस के एटीएम और विक्रय केंद्रों पर काम नहीं करेंगे। इसके अलावा, रूसी बैंकों द्वारा देश में स्थानीय रूप से जारी किए गए एमएक्स कार्ड भी अब रूस के बाहर काम नहीं करेंगे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय सहयोग की अपार संभावनाएं : राजदूत संधू

वॉशिंगटन ।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय सहयोग को लेकर अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू खासे आशांवित हैं। संधू ने कहा कि कोविड-19 महामारी पर काबू पाने में दोनों देशों के बीच सहयोग ने अहम भूमिका निभाई है। संधू ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक द्विपक्षीय सहयोग और भविष्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों से निपटने की तैयारी के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने एक अखबार में छपे संपादकीय में कहा कि दो जीवंत लोकतंत्रों भारत और अमेरिका ने महामारी पर काबू पाने में अहम भूमिका निभाई है। अमेरिकी संस्थान और भारत की टीका कंपनियां कोविड-19 रोधी विश्वसनीय और किफायती टीके बनाने के लिए निकटता से सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'कोविड-19 महामारी से निपटने और भविष्य के जन स्वास्थ्य खतरों से निपटने की तैयारी के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच व्यापक सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि संक्रामक रोग मॉडलिंग, पूर्वानुमान और भविष्यवाणी जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग किया जा सकता है। संधू ने कहा, वसुदैव कुटुम्बकम के प्राचीन भारतीय सिद्धांत द्वारा मार्गदर्शित तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' दूरदृष्टि का अनुसरण करते हुए भारत इस महामारी को हराने में अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अन्य साझेदार के साथ काम करने को लेकर प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस संपादकीय का व्यापक रूप से स्वागत किया है। शीर्ष टीका वैज्ञानिक प्रोफेसर पीटर होटेज से ट्वीट किया, 'हम आपके सहयोग और वैश्विक स्वास्थ्य तथ अमेरिका-भारत साझेदारी की प्रतिबद्धता के लिए ।

मॉस्को के साथ हमारे रिश्ते दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में से एक :वांग यी

बीजिंग ।

यूक्रेन पर हमले की निंदा करने से चीन के लगातार इनकार के बीच चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने रूस को बीजिंग का सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक साझेदार बताया है। वांग यी ने कहा कि मॉस्को के साथ चीन के रिश्ते दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में से एक हैं। उन्होंने चीन की संसद की वार्षिक बैठक से इतर संवाददाता सम्मेलन में कहा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य कितना खतरनाक क्यों न हो, लेकिन हम अपना कूटनीतिक रुख बरकरार रखेंगे और नए युग में व्यापक चीन-रूस भागीदारी के विकास को बढ़ावा देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच दोस्ती मजबूत है। चीन ने यूक्रेन पर रूस के हमला करने के बाद उस पर अमेरिका, यूरोप और अन्य द्वारा लगाए प्रतिबंधों से खुद के अलग कर लिया है। चीन ने कहा कि सभी देशों की संप्रभुत्ता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन इन प्रतिबंधों ने नए मुद्दे पैदा कर दिए हैं और राजनीतिक समाधान की प्रक्रिया बाधित कर दी है। गौरतलब है कि चीनी नेता शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच चार फरवरी को बीजिंग में हुई बैठक को काफी महत्ता दी गई। इस बैठक के बाद दोनों पक्षों ने एक संयुक्त बयान जारी कर अपने अहम हितों की रक्षा के लिए मजबूत परस्पर सहयोग की पुष्टि की। रूस ताइवान को चीन का अविभाज्य हिस्सा मानने के रुख का समर्थन करता है और ताइवान की किसी भी रूप में स्वतंत्रता का विरोध करता है ।

जबकि चीन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के विस्तार का विरोध करने में रूस का समर्थन करता है। शी की सरकार युद्ध से भी दूरी बनाने की कोशिश करते हुए ।

चीन के वुहान में कोरोना कमबैंक, 2 साल बाद 24 घंटों में 526 मामले दर्ज किए

वुहान ।

चीन में कोरोना फिर तेजी से फैल रहा है। दो साल की तबाही के बाद वुहान में फिर कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चीन में 24 घंटों में कोरोना के 526 मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले 2 सालों में एक दिन में दर्ज संक्रमण का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 526 मामलों में से 214 मरीज लक्षण वाले थे और 312 मरीजों में कोरोना के लक्षण नहीं मिले हैं। बढ़े हुए मामलों के बीच राहत की बात यह है कि 24 घंटों में कोरोना से एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है। कोरोना के मामलों में फिर इजाफा होने के बाद चीनी लोग सतर्क हो गए हैं। वहीं, 24 घंटों में कोरोना के 500 से ज्यादा मामले दर्ज होने के बाद इस चीनी कोविड जीरो नीति को बड़ा झटके के तौर पर देखा जा रहा है। कोरोना का ग्राफ ऊपर जाने के बाद चीन ने वुहान, शंघाई-कवांनडांग सहित कई शहरों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। लोगों से मास्क लगाने और कोविड अनुरूप व्यवहार करने की अपील की गई है। शंघाई-कवांनडांग सहित कई शहरों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। लोगों से मास्क लगाने और कोविड अनुरूप व्यवहार करने की अपील की गई है। दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के मामले 44.66 करोड़ को पार कर गए हैं, वहीं मृतकों की संख्या करीब 60 लाख के करीब पहुंच गई है। वहीं पिछले एक महीने में दुनियाभर में कोरोना के 5.22 करोड़ से अधिक केस सामने आए हैं।

जबकि 2.61 लाख लोगों ने खतरनाक वायरस से जान गंवा दी है। वहीं, बात भारत की करें, तब पिछले 24 घंटों में 4 हजार 362 नए कोविड मामले सामने आए हैं। बीते 24 घंटों में कोरोना के दैनिक आंकड़ों में 20 फीसदी कमी हुई है,देश में लगातार 29 दिनों से दैनिक कोविड-19 मामले एक लाख से कम रहे हैं। इस दौरान देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना से 66 लोगों की मौत हुई है।

इजराइल की एयर स्ट्राइक में सीरिया के कई सैन्य ठिकाने तबाह, दो आम नागरिकों की मौत

दमिश्क । इजराइल ने सीरिया के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर उसकी राजधानी दमिश्क के पास सोमवार को कई मिसाइल दागीं, जिसके कारण दो आम नागरिकों की मौत हो गई। इस हमले में सीरिया के सैन्य ठिकानों को भी भारी क्षति हुई है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा पड़ोसी लेबनान के ऊपर से उड़ान भरने वाले इजराइली युद्धक विमानों ने सीरिया की ओर मिसाइल दागीं। इसमें कहा गया है कि सीरियाई वायु रक्षा प्रणाली ने अधिकांश मिसाइल मार गिराईं। इस हमले में आम नागरिकों की मौत कैसे हुई, इस बारे में अब तक विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। इजराइल ने इस हमले पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। इजराइल इस तरह के हमले को अकसर स्वीकार नहीं करता है। उसने पिछले दशक में गृहयुद्ध के दौरान सीरिया में सरकार के नियंत्रण वाले कई इलाकों को निशाना बनाकर हमले किए हैं। गौरतलब है कि इजराइल इस बात को स्वीकार करता है कि वह लेबनान के हिजबुल्लाह जैसे ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों को निशाना बनाता है, जो सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद की सेना के पक्ष में लड़ते हैं। इस हमले से करीब दो सप्ताह पहले दमिश्क में ही एक इजराइली हमले में तीन सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई थी।

र होगा 9/11 जैसा हमला !

बाइडेन राष्ट्रपति पद और हैरिस उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति पद के लिए माइक पेंस उम्मीदवार होंगे। अलकायदा प्रमुख और दुनिया के सबसे खतरनाक आतंकवादी ओसामा बिन लादेन की भतीजी नूर बिन लादिन ने दावा किया है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव हार गए तो अमेरिका में एक बार फिर से 9/11 जैसा हमला हो सकता है। नूर ने ट्रंप के समर्थन में कहा कि अमेरिका की सुरक्षा सिर्फ और सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप ही कर सकते हैं। नूर बिन लादिन ने एक इंटरव्यू में कहा, अमेरिका को वामपंथी सरकार की जरूरत नहीं है, जो बाइडेन की सरकार आएगी तो नस्लीय भेदभाव को बढ़ावा मिलेगा। वह अमेरिका की सुरक्षा नहीं कर पाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ही सही व्यक्ति हैं।

2015 से ट्रंप की समर्थक रहीं ओसामा की भतीजी नूर ने न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए अपने पहले इंटरव्यू में दावा किया है कि अमेरिका में वामपंथियों ने खुद को कट्टरपंथ के साथ जोड़ लिया है। नूर ने कहा ट्रंप आतंकवाद को जड़ से खत्म करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, ट्रंप की लीडरशिप अमेरिकियों को विदेशी खतरों से बचाती है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करते हुए कहा, उनका दोबारा राष्ट्रपति बनना न केवल अमेरिका, बल्कि पश्चिमी सभ्यता के भविष्य के लिए भी अनिवार्य है। नूर बिन लादिन ओसामा के बड़े भाई यसलाम बिन लादेन की बेटी हैं।

वह अपनी दो बहनों वफा और नाजिया के साथ स्विटरलैंड में रहती हैं। नूर ने बताया, भले ही वो स्विटरलैंड में रहती हैं और उनकी परवरिश वहां हुई है, लेकिन वो दिल से एक अमेरिकी हैं और 3 साल की उम्र से वो अपने कमरे में अमेरिका का झंडा रखी हैं। उन्होंने बताया कि वो खुली जीप में पूरा अमेरिका घूमना चाहती हैं। नूर ने बताया, जब वो 11 साल की थी उस समय अमेरिका में 9/11 हमला हुआ था। वो उस आतंकी हमले से काफी गुस्से में थीं। लादेन की मौत के बाद उनके परिवार वालों ने अपना टाइटल लादेन से लादिन कर लिया।

जंग के 12 वें दिन रुस ने 24 घंटे का किया सीजफायर का ऐलान, भारतीयों के लिए राहत

कीव ।

रूस और यूक्रेन के बीच 12 दिन से जंग चल रही है। रूस ने सोमवार को कुछ घंटे के लिए पूरे यूक्रेन में सीजफायर का ऐलान किया है। यह सीजफायर 12.30 बजे से शुरू होगा। इस दौरान युद्ध में फंसे लोगों को निकालने के लिए ह्यूमन कॉरिडोर बनाया जाएगा। फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की अपील पर रूस ने सीजफायर का ऐलान किया है। ऐसा दूसरी बार है जब रूस ने यूक्रेन में सीजफायर का ऐलान किया है। इससे पहले दो शहरों में 6 घंटे के लिए सीजफायर किया गया था। इस दौरान भारतीय नागरिकों को निकलने के लिए रास्ता दिया गया था। मारियुपोल, खारकीव, कीव और सुमी में सीजफायर का ऐलान किया गया है। जानकारी के मुताबिक, सुमी में 500 से ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं। वहां अभी निकल नहीं पाए हैं। रूसी सेना की तरफ से सीजफायर के ऐलान के बाद यूक्रेन में फंसे नागरिक वहां से निकल पाएंगे। भारतीयों के लिए अच्छी खबर है कि रूस ने सुमी के लिए 2 रास्ते खोले हैं। पहला रास्ता सुमी और बेलगोर से होकर गुजरता है और दूसरा रास्ता सुमी पलटोवा से होकर जाता है। इन रास्तों पर सीजफायर लागू रहेगा। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र, ओएससीई और आईसीआरसी को दे दी गई है। इससे पहले सोमवार सुबह रूस ने यूक्रेन के खार्किव शहर में रिहाइशी इमारतों को निशाना बनाया। हालांकि, लोगों को पहले ही बंकरों समेत सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी जा चुकी थी, लेकिन अब भी वहां कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। दूसरी ओर, यूक्रेनी सेना ने दो उच्च-रैंकिंग रूसी अधिकारियों को मारने का दावा किया है। दावा किया गया है यूक्रेनी सेना ने दो उच्च-रैंकिंग रूसी अधिकारियों को मारने का दावा किया है। दावा किया गया है कि रूसी सशस्त्र बलों के 61वें सेपरेट मरीन ब्रिगेड के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल दिमित्री सफ्रोनोव और 11वें सेपरेट एयरबोर्न असॉल्ट ब्रिगेड के डिप्टी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल डेनिस ग्लीबोव मारे गए हैं। वहीं, यूक्रेन के मुताबिक, कई रूसी टैंक भी तबाह किए गए हैं।

बड़ी संख्या में रुसी सैनिकों को जमावड़ा, कीव पर जल्द कब्जा करेगी पुतिन की सेना

कीव । रूस ने कीव के पास के गांवों और कस्बों में बड़ी संख्या में सैनिकों को जमावड़ा कर लिया है। अगले कुछ दिनों में रुसी सेना कीव पर कब्जा कर लेगी। ये दावा यूक्रेन के शीर्ष अधिकारी ने किया है। यूक्रेनी गृह मंत्री के सलाहकार वादिम डेनिसेंको ने कहा कि अगले कुछ दिनों में एक महत्वपूर्ण लड़ाई होने की उम्मीद है। सलाहकार ने कहा, रूसी (सैन्य) उपकरण और रूसी सैनिकों की बड़ी संख्या कीव में इक्ठ्ठी हो रही है। हम समझते हैं, कि कीव के लिए लड़ाई एक महत्वपूर्ण लड़ाई है, जो आने वाले दिनों में लड़ी जाएगी। डेनिसेंको की टिप्पणी तब आई जब रूस ने यूक्रेन पर अपने आक्रमण को जारी रखा है, जिसमें प्रमुख शहरों सहित देशभर में लगातार गोलाबारी और हमले जारी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले दिन में कीव से लगभग 26 किलोमीटर दूर इरपिन शहर से एक निकासी मार्ग पर मोर्टार दागे जाने से एक मां और उसके तीन बच्चों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर, खारकीव में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 5 अन्य घायल हो गए, जबकि रूसी हवाई हमलों में एक आवासीय इमारत पर हमला हुआ।मेयर इहोर तेरखोव ने कहा कि रूसी हेलीकॉप्टर खारकीव के ऊपर मंडरा रहे हैं। मेयर इहोर तेरखोव ने कहा कि रूसी हेलीकॉप्टर खारकीव के ऊपर मंडरा रहे हैं। राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस को कड़ी चेतावनी देकर कहा कि यूक्रेन की सेना सभी सैनिक का पीछा करेगी जो कीव के क्षेत्र में युद्ध कर रहा है। जेलेंस्की ने पश्चिमी नेताओं से मास्को के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्हें बताया कि आक्रामक पश्चिम के लिए एक स्पष्ट संकेत है कि रूस के खिलाफ प्रतिबंध पर्याप्त नहीं हैं।

जेलेंस्की की सरकार को बचाने प्लान बी पर काम कर रहा अमेरिका

कीव ।

यूक्रेन में रूसी सेना के जोरदार हमलों के बीच अमेरिका ने जेलेंस्की की सरकार को बचाने के लिए प्लान बी पर काम करना शुरू कर दिया है। अमेरिका एक प्लान तैयार कर रहा है, इसके तहत रूसी सेना के कब्जे होने के बाद भी यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार पोलैंड से चलती रहेगी। अमेरिका ने यह प्लान बी उस समय पर तैयार किया है, जब रूसी सेना यूक्रेन पर तेजी से बढ़त बना रही है। अमेरिकी प्रशासन के सूत्रों के हवाले से कहा, हम आपात स्थिति के लिए योजनाएं तैयार कर रहे हैं। अखबार ने कहा कि यूक्रेन के सहयोगी देश निर्वासित सरकार के गठन में मदद कर सकते हैं, अमेरिकी प्रशासन के सूत्रों के हवाले से कहा, हम आपात स्थिति के लिए योजनाएं तैयार कर रहे हैं। अखबार ने कहा कि यूक्रेन के सहयोगी देश निर्वासित सरकार के गठन में मदद कर सकते हैं, ताकि देश में गुरिल्ला युद्ध को जारी रखा जाए। इससे पहले 4 मार्च को रूस की संसद के स्पीकर ने ऐलान किया था कि जेलेंस्की पोलैंड गए थे, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। स्पीकर ने कहा कि अभी राष्ट्रपति जेलेंस्की कीव में ही मौजूद हैं। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय ने यह बताना बंद कर दिया है कि जेलेंस्की की कहां पर हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि यूक्रेनी सरकार देश के विभिन्न इलाकों में शासन नहीं कर पा रही है। इस बीच नाटो देश यूक्रेन को संगठन में शामिल करने पर चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं और कीव अब 'गैर-नाटो मॉडल' पर चर्चा करने के लिए तैयार है। ये जानकारी यूक्रेन के एक अधिकारी ने दी है।अमेरिकी सूत्रों के हवाले से कहा, 'नाटो देशों से हमें जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह यह है कि वे हमें नाटो में रखने पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं हैं। हम नाटो के आवेदनों के लिए नहीं लड़ेंगे, अमेरिकी सूत्रों के हवाले से कहा, 'नाटो देशों से हमें जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह यह है कि वे हमें नाटो में रखने पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं हैं। हम नाटो के आवेदनों के लिए नहीं लड़ेंगे, हम परिणाम के लिए लड़ेंगे लेकिन प्रक्रिया के लिए नहीं।' अरखामिया ने कहा, हम कुछ गैर-नाटो मॉडलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। हम न केवल रूस के साथ द्विपक्षीय चर्चा में बल्कि अन्य भागीदारों के साथ भी व्यापक दायरे में ऐसी चीजों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।' भीषण युद्ध के बीच, यूक्रेन और रूस ने 28 फरवरी और 3 मार्च को दो दौर की बातचीत की और सोमवार को तीसरे दौर की बातचीत होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

जेलेंस्की ने युद्ध के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की कसम खाई

कीव । रूस-यूक्रेन युद्ध 12 दिन से जारी है। रूसी सेना यूक्रेन के शहरों पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है। युद्ध में जवानों, महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की जान गई है। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने संबोधित कर कहा, मैंने युद्ध के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की कसम खाई है। यूक्रेन कुछ भी नहीं भुलाया जाएगा। जेलेंस्की ने कहा यह हत्या है, जानबूझकर की गई हत्या, क्योंकि रूस ने सोमवार को और भी ज्यादा गोलाबारी करने की चेतावनी दी है। हम इस कभी नहीं भूलने वाले हैं, और न ही इसमें शामिल लोगों को माफ करने वाले हैं। हम अपनी जमीन पर अत्याचार करने वाले सभी लोगों को सजा देने वाले है। कब्र के अलावा इस धरती पर कोई शांत जगह नहीं होगी। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन के शहरों को तबाह कर दिया। सीजफायर के दौरान भी बमबारी नहीं रुकी। इस कारण मारियुपोल में फंसे लोग निकल नहीं सके। इधर, रूस ने पूरे यूक्रेन में सोमवार को दूसरी बार सीजफायर का ऐलान किया है। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन के शहरों को तबाह कर दिया। सीजफायर के दौरान भी बमबारी नहीं रुकी। इस कारण मारियुपोल में फंसे लोग निकल नहीं सके। इधर, रूस ने पूरे यूक्रेन में सोमवार को दूसरी बार सीजफायर का ऐलान किया है। इस दौरान युद्ध में फंसे लोगों को निकालने के लिए ह्यूमन कॉरिडोर बनाया जाएगा। वहीं, अमेरिका का कहना है कि यूक्रेन में नागरिकों पर जानबूझकर हमले किए जा रहे हैं।

श्रीलंका में दो मंत्रियों को बर्खास्त करने के बाद गठबंधन सरकार में पैदा हुए मतभेद

कोलंबो । श्रीलंका के जल आपूर्ति मंत्री वसुदेव नानायक्कारा ने सोमवार को कहा कि वह देश के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा अपने दो सहकर्मियों को बर्खास्त करने के विरोध में मंत्रिमंडल की बैठकों का बहिष्कार करेंगे। इन मंत्रियों को पिछले हफ्ते मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान हटाया गया, जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में दरार आती नजर आ रही है। राजपक्षे ने गुरुवार को दो शीर्ष पद वाले कैबिनेट मंत्रियों उदय गम्मनपिला को ऊर्जा मंत्री तथा विमल वीरवंस को उद्योग मंत्री पद से हटा दिया था। इन दोनों मंत्रियों ने राजपक्षे के छोटे भाई और वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे की खुलकर आलोचना करते हुए उन पर आरोप लगाया था कि वह अड़ियल रवैए से काम रह रहे हैं, जिससे द्वीपीय देश में आर्थिक मुश्किलें पैदा हुईं। श्रीलंका अभी विदेशी मुद्रा संबंधी गंभीर संकट का सामना कर रहा है और सरकार आवश्यक आयातित सामान का बिल भी नहीं भर पा रही है। बर्खास्त किए गए ये मंत्री सत्तारूढ़ श्रीलंका पादुजन पेरामुन (एसएलपीपी) के सदस्य हैं। नानायक्कारा ने कहा मेरी पार्टी की केंद्रीय समिति ने फैसला किया है कि मैं मंत्रिमंडल की बैठकों से दूर रहूंगा लेकिन मंत्री पद पर बना रहूंगा। राजपक्षे परिवार की श्रीलंका में मजबूत राजनीतिक छवि है और उसकी देश की राजनीति पर मजबूत पकड़ है। श्रीलंका में 2019 के चुनाव के बाद राजपक्षे परिवार ने मौजूदा सरकार में कई विभागों पर अपना नियंत्रण रखा है।

यूक्रेन में फंसे लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए गुतारेस ने संघर्ष विराम का आह्वान किया

न्यूयार्क । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि संघर्ष के दौरान खारकीव और सुमी जैसे क्षेत्रों में फंसे आम नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए यूक्रेन में लड़ाई को रोकना बेहद जरूरी है। गुतारेस ने रविवार को ट्वीट कर कहा यूक्रेन में संघर्ष विराम स्थापित करना बेहद आवश्यक है ताकि मारियुपोल, खारकीव और सुमी के साथ-साथ संघर्ष वाले अन्य क्षेत्रों में फंसे आम नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित हो पाए। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का यह ट्वीट रूस के उन आरोपों के बीच आया है कि भारतीय और अन्य विदेशी नागरिकों को इन क्षेत्रों में यूक्रेनी राष्ट्रवादियों द्वारा बंधक बनाकर रखा जा रहा है।

मैक्सिको में गर्मी में प्रवासियों को मालवाहक ट्रक में छोड़ने से गर्भवती की मौत, 14 अन्य गंभीर

मैक्सिको सिटी । उत्तरी मैक्सिको में अत्यधिक गर्मी के बीच एक मालवाहक ट्रक में कई प्रवासियों को छोड़ने से एक गर्भवती महिला की मौत हो गई है जबकि 14 अन्य लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। प्राधिकारियों ने बताया कि इन लोगों में से अधिकतर के शरीर में पानी की गंभीर कमी पाई गई है। आव्रजन अधिकारियों ने बताया कि रविवार को मालवाहक कंटेनर में 64 प्रवासी पाए गए, जहां तापमान 40 सेल्सियस से अधिक हो गया था। ये प्रवासी निकारागुआ, होंडुरास, ग्वाटेमाला और क्यूबा के निवासी हैं।इनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। गर्भवती महिला निकारागुआ की नागरिक थी। और इनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। गर्भवती महिला निकारागुआ की नागरिक थी। नेशनल इमिग्रेशन इंस्टीट्यूट ने बताया कि ट्रक उत्तरी सीमावर्ती राज्य कोहुइला में मिला था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने पुतिन से 50 मिनट की बात, राष्ट्रपति जेलेंस्की से सीधी बातचीत करने का आग्रह

नई दिल्ली ।

रूस और यक्रेन वॉर पर कूटनीतिक गलियारों से बड़ी खबर आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन संकट पर रुसी राष्ट्रपति से लंबी बातचीत की है। यूक्रेन संकट पर ये दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच दूसरी बातचीत है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से 50 मिनट तक लंबी बातचीत की है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ सीधी बातचीत करने का आग्रह किया है। इसपर राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के सुमी शहर से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस द्वारा सीजफायर घोषणा के लिए राष्ट्रपति पुतिन की तारीफ की। इससे पहले पीएम मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की थी। सरकार के टॉप सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार की सुबह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से लंबी बात की है। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच लगभग 11.30 बजे 35 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई। पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन में पैदा हुई युद्ध की स्थिति पर चर्चा की और इसके अलग अलग आयामों पर विचार किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी सीधी बातचीत की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को निकालने में यूक्रेन सरकार द्वारा दी गई सहायता के लिए राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सुमी से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए यूक्रेन सरकार से समर्थन की मांग की। बता दें कि भारत की चिंता सुमी शहर में फंसे अपने नागरिकों को निकालने की है। इस बीच राष्ट्रपति पुतिन ने कीव, सुमी, खारकीव और मारियूपोल में युद्ध विराम का ऐलान कर दिया है।पीएम मोदी कुछ दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात कर चुके हैं।पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी बात की थी। इस बीच बड़ी खबर है, पीएम मोदी से रूसी राष्ट्रपति पुतिन की वार्ता के बीच रूस ने चार इलाकों में सीजफायर का ऐलान किया है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय भाजपाध्यक्ष नड्डा का आज एमपी दौरा

उज्जैन । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार 8 मार्च को मध्य प्रदेश के दौरे पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान इंदौर में संगठनात्मक बैठक लेंगे। अब तक के कार्यों की जानकारी लेने के साथ ही आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा करेंगे। समर्पण निधि अभियान सहित अन्य विषयों की जानकारी लेंगे। वहीं बैठक के बाद महाकाल दर्शन करने उज्जैन आएंगे। उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद नड्डा उज्जैन से सीधे देवास पहुंचेंगे। और कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राजधानी भोपाल जाएंगे। दरअसल उनके प्रवास को देखते हुए बीजेपी कार्यालय में पार्टी की बैठक हुई। बैठक में पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसीराम सिलावट, आईडीए अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा समेत कई नेता शामिल हुए। उधर पार्टी के कार्यकर्ताओं से संवाद और वैचारिक दृष्टिकोण बनाने एवं पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी एवं पार्टी के कार्यकर्ताओं से बैठक कर संवाद किया जाएगा। जानकारी के अनुसार नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे द्वारा उनके स्वागत व कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है मालूम हो कि उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद नड्डा सीधे देवास पहुंचेंगे। जहां पोषण आहार केंद्र संबंधी प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। बाद में भोपाल निकल जाएंगे। भोपाल में एक कार्यक्रम में नड्डा बतौर अतिथि शामिल होंगे। नड्डा के एमपी आगमन को लेकर इंदौर, उज्जैन, देवास व भोपाल में बीजेपी संगठन तैयारियों में जुटा हुआ है।

पांडेसरा में मां-बेटी से दुष्कर्म हत्या के मामले में एक दोषी को फांसी, दूसरे को उम्रकैद

सूरत । सूरत कोर्ट ने पांडेसरा में माता-बेटी के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषियों को सख्त सजा सुनाई है । कोर्ट ने एक दोषी को सजा ए मौत और दूसरे को उम्र कैद की सजा का आदेश दिया है। यह घटना 6 अप्रैल 2018 को उस समय सामने आई जब सूरत के भेस्तान सांई फकीर क्रिकेट ग्राउंड के निकट 11 साल की किशोरी की लाश मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। किशोरी का शव मिलने के 6 बाद सचिन-मगदल्ला हाईवे पर एक महिला का शव बरामद हुआ, जिसकी गला घोंट कर हत्या कर दी गई थी। सीसीटीवी फूटेज इत्यादि की जांच में काले रंग की कार में कोई महिला का शव यहां फैंक गया होने का पुलिस को पता चला मृत किशोरी और महिला मां बेटी थी, जिनकी हत्या के बाद दोनों के शव अलग अलग फैंक दिए गए थे। हांलाकि यह डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट सामने आने के बाद पता चला बाद में यह सूरत क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई काले रंग की कार के आधार पर पुलिस ने आरोपी हर्षसहाय गुर्जर और हरिओम हीरालाल गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया जांच में खुलासा हुआ कि बेटी के सामने ही उसकी मां की गला घोंटकर हत्या कर दी गई और शव सचिन-मगदल्ला हाईवे पर फैंक दिया जिसके बाद 11 साल की किशोरी को हर्षसहाय गुर्जर अपने घर ले गया जहां उसके साथ दुष्कर्म करने लगा बाद में किशोरी के गुसांग में लकड़ी डालकर निर्दयता पूर्वक उसकी हत्या कर दी किशोरी का शव बरामद हुआ तब उसके शरीर पर करीब 78 जितने घाव पाए गए थे। दोनों ही मामले एक साथ चलाए गए और 4 मार्च 2022 को सूरत की कोर्ट ने हर्षसहाय गुर्जर और हरिओम गुर्जर को दोषी करार देते हुए सजा के लिए सोमवार का दिन तय किया था सूरत की अदालत ने आज हर्षसहाय गुर्जर को फांसी की सजा का आदेश दिया7 जबकि अपराध में उसकी मदद करने वाले हरिओम गुर्जर को कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई है

राज्यसभा की 13 सीटों पर 31 मार्च को होंगे चुनाव

नई दिल्ली । राज्यसभा की 13 सीटों के लिए 31 मार्च को चुनाव होंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इसकी घोषणा की। जिन 13 सीटों पर चुनाव होना है, वे पंजाब, केरल, असम, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा और नगालैंड की सीटें हैं आगामी 31 मार्च को राज्यसभा की 13 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होना है। 6 राज्यों के लिए 13 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में राज्यवार आंकड़ा इस प्रकार से है। पंजाब में पांच, केरल में तीन, असम में दो और हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा और नागालैंड में एक-एक सीट के लिए वोटिंग होनी है। गौरतलब है कि इस महीने सांसद एके एंटनी, आनंद शर्मा और प्रताप सिंह बाजवा राज्यसभा से रिटायर हो रहे हैं।

यूक्रेन पर मध्यस्थता के लिए तैयार हुआ चीन रूस के साथ दोस्ती चट्टानों जैसी मजबूत

नई दिल्ली । रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले के बीच चीन ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि उसके बीजिंग और मॉस्को के बीच दोस्ती चट्टानों जैसी मजबूत है। हालांकि, चीन ने कहा है कि वो यूक्रेन-रूस संकट को खत्म करने के लिए मध्यस्थता करने के लिए सारे रास्ते खोले हुआ है। चीन ने पिछले महीने अपने करीबी सहयोगी मास्को की निंदा करने से इनकार कर दिया है। बीजिंग एक कार्यक्रम के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती है, और दोनों पक्षों की भविष्य में सहयोग की संभावनाएं बहुत विशाल हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर चीन दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ काम करने को तैयार है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल ने पिछले हफ्ते कहा था कि चीन को रूस और यूक्रेन के बीच भविष्य की शांति वार्ता में मध्यस्थता करनी चाहिए। बीजिंग ने बार-बार कहा है कि वह संकट को हल करने के लिए बातचीत करने में रचनात्मक भूमिका निभाएगा लेकिन पहले किसी भी शांति वार्ता में शामिल होने या उसकी मेजबानी करने की बात नहीं कही थी। वांग ने यह भी कहा कि चीन यूक्रेन को मानवीय सहायता भेजेगा। विदेश मंत्री ने चीन-रूस संबंधों को दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध बताया, जो विश्व शांति, स्थिरता और विकास के लिए अनुकूल है। यूक्रेन के मध्य, उत्तरी और दक्षिण हिस्से में स्थित शहरों में रूसी बलों ने गोलाबारी तेज कर दी है। यूक्रेन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस गोलाबारी से वहां फंसे नागरिकों को निकालने का दूसरा प्रयास भी विफल हो गया। यूक्रेन के नेता ने अपने लोगों से लड़ने के लिए सड़कों पर उतरने का आग्रह किया है। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस के हमलों को केवल तभी रोका जा सकता है ।

हिसाब-किताब पर फिर बोले मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी कहा बहुत मोटी लिस्ट है तैयार

नई दिल्ली ।

जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ से सपा गठबंधन के प्रत्याशी अब्बास अंसारी ने एक बार फिर कहा है कि सपा की सरकार आने पर अधिकारियों का हिसाब किताब किया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से इसी बयान को लेकर कार्रवाई का सामना कर चुके अब्बास ने एक चैनल से बातचीत में अपनी बात को दोहराते हुए मतलब समझाया और कहा कि इसकी जांच की जाएगी कि किन अधिकारियों ने कानून का पालन नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा कि एक मोटी लिस्ट तैयार है। अब्बास ने टीवी चैनल एबीपी गंगा से बातचीत में कहा कि मऊ में बीजेपी को जितना वोट मिलेगा उससे अधिक वोट से वह जीतने जा रहे हैं। जिस तरह का कार्यकाल बीजेपी का रहा है उससे जनता नाराज हैं। यह चुनाव नफरत और मुहब्बत के बीच का है। अफसरों से हिसाब-किताब को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में अब्बास ने कहा, हिसाब-किताब बेशक होगा। स्कूटनी तो हर जगह होनी चाहिए। मैं अपने सभी इलेक्शन एजेंट की स्कूटनी करूंगा। जब मैं अखिलेश भैया के पास जाऊंगा तो वह मेरी स्कूटनी करेंगे। उसी तरह जब कानून का राज स्थापित होगा तो कानून के पद पर बैठे जिम्मेदारों ने जिस कानून की किताब को ताक पर रखा है, उसे फिर लागू किया जाएगा। लागू कराकर सबकी जांच की जाएगी। जो गलत पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कराकर नजीर पेश की जाएगी। अब्बास ने आगे कहा, आपकी सरकार आई घर गिरा दीजिए, मेरी सरकार आई घर गिरा दीजिए तो घर बचेंगे कहां। सरकारें घर बनाने के लिए आती हैं। घर में लोगों को डराने के लिए नहीं। कानून का राज जरूरी है, हिसाब किताब जब तक नहीं होगा, तब तक पता कैसे चलेगा कि गलती कहां होगी। जिनके घर गिराए गए हैं, उनके कागज मौजूद थे। राजनीतिक द्वेष की वजह से लोगों के घर गिराए गए। क्या ऐसे अफसरों की कोई सूची बनाई है? इसके जवाब में उन्होंने कहा, बहुत मोटी लिस्ट है। टॉप टु बॉटम। जब गलती ऊपर वाला शुरू करता है तो नीचे तक जाता है। ।

गुजरात की जेल से फरार उम्रकैद की सजा काट रहा हत्यारा 23 साल बाद उल्हासनगर से गिरफ्तार

उल्हासनगर, । कहावत है कि क़ानून के हाथ लंबे होते हैं। और इसी कहावत को चरितार्थ किया है मुंबई से सटे उल्हासनगर की क्राइम ब्रांच ने. जी हाँ, साल 1995 में गुजरात के सूरत शहर में अपनी पत्नी की हत्या का आरोपी जो बड़ोदा जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा था करीब 23 साल पूर्व पेरोल मिलने बाद वो फरार हो गया जिसे 23 साल बाद उल्हासनगर के क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल मांगले के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है. क्राइम ब्रांच द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार रमेश उर्फ़ दिनेश उत्तम तायड़े (53) को सूरत स्थित लिंबायत पुलिस ने 1995 में अपनी पत्नी को जिन्दा जलाकर हत्या के मामले में गिरफ्तार किया था. कोर्ट में चली सुनवाई के पश्चात कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सजा सुनायी थी. जिसके बाद वह बड़ोदा के जेल में बंद था. 27 नवंबर 1999 में तायड़े पेरोल पर जेल से निकला और बाद में वापस नहीं लौटा। उसकी खोजबीन क्राइम ब्रांच कर रही थी. इस बीच क्राइम ब्रांच को गुप्त जानकारी मिली कि रमेश उर्फ़ दिनेश उत्तम तायड़े उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 4, कानसाई रोड, भरत नगर में रह रहा है। क्राइम ब्रांच को गुप्त जानकारी मिली कि रमेश उर्फ़ दिनेश उत्तम तायड़े उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 4, कानसाई रोड, भरत नगर में रह रहा है।

4 किग्रा. मादक पदार्थ की खेप ले जा रहे पाकिस्तान ड्रोन को बीएसएफ ने मार गिराया

फिरोजपुर । देश की सीमाओं की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चार किलोग्राम से अधिक संदिग्ध प्रतिबंधित सामग्री ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। तड़के करीब 3 बजे सैनिकों के गुनगुनाने की आवाज सुनने के बाद क्वाडकॉप्टर का पता चला। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि इसके बाद सीमा सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट हो गई और गोलीबारी में उसे मार गिराया। उन्होंने कहा कि हरे रंग का एक छोटा बैग ड्रोन से जुड़ा हुआ था और इसमें चार पैकेट पीले रंग के रैपिंग में और एक छोटा पैकेट ब्लैक रैपिंग में था। प्रवक्ता ने कहा कि संदिग्ध प्रतिबंधित सामग्री का कुल वजन लगभग 4.17 किलोग्राम है, पैकिंग सामग्री के साथ, और काले रंग में लिपटे पैकेट का वजन लगभग 250 ग्राम है। इससे पहले भारत पाक सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन उरता हुआ नजर आया। पठानकोट के बमयाल बॉर्डर के डिंडा पोस्ट पर पाक ड्रोन नजर आया। बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन पर कई राउंड फायर की है। जवाबी कार्रवाई के बाद वापस ड्रोन पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गया।

असम में सक्रिय हैं कई जिहादी आतंकी मॉड्यूल : सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी ।

पूर्वोत्तर राज्य असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में अब भी कई जिहादी आतंकी मॉड्यूल अपनी गतिविदियां संचालित कर रहे हैं और राज्य पुलिस इन आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के लिए काम कर रही है। पड़ोसी देश बांग्लादेश के जिहादी संगठनों से कथित तौर संबंध रखने वाले पांच लोगों को असम पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के दो दिन बाद रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने दावा किया कि चरमपंथी समूहों के और गुट राज्य में सक्रिय हैं। सरमा ने यह भी कहा कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के दौरान एकत्र की गई सूचना में खुलासा हुआ है कि राज्य में आने वाले समय में कुछ खतरनाक हो सकता था। सरमा ने कहा, (जिहादियों का) एक बड़ा मॉड्यूल पकड़ा गया है लेकिन हमें इस संबंध में और काम करने की जरूरत है उन्होंने कहा कि हमारी सूचना के अनुसार, राज्य में ऐसे और मॉड्यूल सक्रिय हैं। हम (उन्हें पकड़ने के लिए) सूचना के विभिन्न स्रोत का निर्माण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में जो गिरफ्तारी की गई उन चरमपंथी ताकतों के बारे में सूचना एकत्र करने के लिए एक विशेष इकाई बनाई गई थी। सरमा ने इस कार्रवाई को बड़ी सफलता करार दिया और कहा कि गिरफ्तार किए गए इन जिहादियों से प्राप्त सूचना

से पता चला कि राज्य में आने वाले समय में कुछ खतरनाक हो सकता था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने क्या खुलासा किया इस बाबत मुख्यमंत्री ने कुछ नहीं बताया। पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत ने शनिवार को कहा कि एक बांग्लादेशी नागरिक समेत पांच लोगों को बारपेटा जिले से गिरफ्तार किया गया। इन पर अल-कायदा से संबद्ध एक जिहादी समूह से संबंध होने का आरोप है।

पंजाब को लेकर नतीजों से पहले अमित शाह से मिले कैप्टन अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली ।

पंजाब में विधानसभा के चुनाव संपन्न हो गए और अब 10 मार्च को आने वाले परिणामों के लेकर सभी दले को प्रतीक्षा है। लिहाजा सूबे में राजनीतिक हलचले बढ़ हैं। इन सबके बीच पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस के अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह ने आज नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। हालांकि जब कैप्टन अमरिंदर सिंह से बातचीत को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह गृह मंत्री के साथ सामान्य चर्चा थी। पंजाब चुनाव को लेकर परिणाम आने के बाद विस्तृत चर्चा होगी। बैठक में पंजाब के विषयों पर चर्चा हुई है। उन्होंने साफतौर पर इस बात से इंकार कर दिया कि बैठक में चुनाव को लेकर कोई चर्चा हुई है। उन्होंने साफ कहा कि परिणाम अभी तक आए नहीं हैं, इसलिए इस पर चर्चा नहीं हुई है। नतीजों को लेकर जब कैप्टन अमरिंदर सिंह से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं कोई पंडित नहीं हूं। मैं कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो भविष्यवाणी कर सके। लेकिन जहां तक मेरी राय है मेरी पार्टी ने अच्छा किया है। बीजेपी ने अच्छा किया है। देखते हैं नतीजों में क्या होता है। आपको बता दें कि पंजाब में 117 सीटों पर 20 फरवरी को मतदान हुए थे। 10 मार्च को इसके लिए नतीजे भी आएंगे। पंजाब में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के बीच देखी जा रही है। हालांकि अकाली दल और भाजपा गठबंधन कांग्रेस से अलग होने के बाद अमरिंदर सिंह ने पंजाब लोक कांग्रेस का गठन किया था।

नवाब मलिक को दाऊद से जुड़े केस में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई ।

धनशोधन (मनीलॉन्डिंग) मामले में महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्री एवं राकांपा नेता नवाब मलिक को मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह मामला दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है। गिरफ्तार महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक को कोर्ट की तरफ से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। आज शाम को उन्हें ईडी की कस्टडी से मुंबई की आर्थर रोड जेल में शिफ्ट किया जाएगा। मलिक को ईडी ने 23 फरवरी को दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। गौरतलब है कि इससे पहले ईडी ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मलिक से मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़े धन शोधन के एक मामले में पूछताछ की थी।

मलिक ईडी कार्यालय पहुंचे और वहां 'धन शोधन निवारण अधिनियम' (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया गया। अंडरवर्ल्ड संबंधी गतिविधियों, सम्पत्ति की अवैध रूप से कथित खरीद-फरोख्त तथा हवाला लेनदेन के संबंध में ईडी ने 15 फरवरी को मुंबई में छापेमारी की थी और एक नया मामला दर्ज किया था, जिसके बाद मलिक से पूछताछ की गई। जिसके बाद मलिक को 23 फरवरी को दाऊद इब्राहिम और अंडरवर्ल्ड से जुड़े एक मामले में जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया। फिर आरोपी को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। जहां ईडी की तरफ से नवाब मलिक की 14 दिनों की रिमांड मांगी गई थी ।

युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सरकार का कर्तव्य :कांग्रेस

नई दिल्ली ।

यूक्रेन-रूस जंग से बिगड़ते हालात के मद्देनजर वहां फंसे सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए सारे प्रयास करने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार से कहा कि उसका कर्तव्य है तथा अतीत में भी ऐसे हालात में पूर्ववर्ती सरकारों ने सफल अभियान चलाए थे। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि रूस, यूक्रेन और नाटो को बातचीत जरिए तत्काल शांति बहाल करना चाहिए तथा सभी मुद्दों का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, 'कांग्रेस पार्टी यूक्रेन में सैन्य संघर्ष बढ़ने को लेकर आशंकित और दुखी है। निर्दोष लोगों के मारे जाने, बड़े पैमाने पर तबाही होने, लोगों का बड़े स्तर का पलायन और मानवीय त्रासदी का विकराल रूप लेना अस्वीकार्य है।' उसने कहा, 'हम युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए हजारों भारतीय छात्रों एवं नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं।'

बयान में कहा गया है, 'कांग्रेस पार्टी अपील करती है कि सभी तरह की शत्रुता को तत्काल खत्म किया जाए और लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए भौगोलिक रूप से तय मानवीय गलियारा बनाया जाए जिसका दोनों पक्ष सम्मान करें।' उसने आह्वान किया कि रूस, यूक्रेन और नाटो को गंभीर संवाद करना चाहिए ताकि शांति बहाल हो सके और सभी मुद्दों का स्थायी समाधान निकाला जा सके। कांग्रेस ने जोर देकर कहा, 'यह भारत सरकार का कर्तव्य है कि हमारे सभी नागरिकों को वापस लाने के लिए सारे प्रयास किए जाएं। यह स्मरण करना आवश्यक है कि भारत ने अतीत में खाड़ी युद्ध के दौरान, लेबनान, लीबिया और इराक से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए अपनी वायुसेना और नौसेना के माध्यम से सफल व्यापक अभियान चलाया और साथ ही किसी दलीय दुष्प्रचार में भी नहीं पड़ा।' उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की और करीब 35 मिनट तक चली इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में उभरती परिस्थितियों पर चर्चा दोनों नेताओं के बीच बात ऐसे समय में हुई है, जब रूस के हमले का सामना कर रहे यूक्रेन से छात्रों समेत अपने नागरिकों को निकालने के लिए भारत हर संभव प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी आज रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से भी बात करेंगे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया और रोमानियन मेयर में क्यों हुई थी भिड़ंत

नई दिल्ली । रशिया यूक्रेन क्राइसिस के बीच रोमानिया से भारतीय छात्रों को लेने गए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की रोमानिया के मेयर से भिड़ंत हो गई थी। इसका वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। कांग्रेस का कहना था कि सिंधिया छात्रों को बचाने का क्रेडिट ले रहे थे, जिसका रोमानिया के मेयर ने विरोध किया था। लेकिन हकीकत में इन दोनों में किस बात को लेकर भिड़ंत हुई थी, यह वजह सामने आ गई है। रोमानिया के स्नेगोव कस्बे के मेयर मिहाय एंगेल ने सिंधिया से हुई बातचीत की सच्चाई बताई है। द क्विंट को दिए एक इंटरव्यू में मेयर ने बताया कि वह किसी तरह का राजनीतिक विवाद नहीं चाहते थे। उन्हें बस भारतीय छात्रों का चिंता थी। जो किसी तरह युद्धग्रस्त क्षेत्र से बाहर आए थे और जानना चाहते थे कि आखिर वह भारत कब और कैसे पहुंचेंगे। मेयर के मुताबिक सिंधिया देर शाम कैमरे आदि के साथ वहां पहुंचे थे। ऐसा लग रहा था कि वह पीआर स्पीच देने आए हों। जबकि उन्हें घबराए छात्रों को ढांढस बंधाना चाहिए था। मेयर ने बताया कि यह छात्र 27 फरवरी को सिरेत बॉर्डर क्रॉस करके यहां आए थे। उन्हें स्नेगाव के एक गांव में जिम्नेजियम में शेल्टर दी गई थी। स्थानीय एंबेसी से जुड़े भारतीय अधिकारियों ने उन्हें बताया कि अगले दिन तक बसें आ जाएंगी। मेयर के मुताबिक जब सिंधिया वहां पहुंचे और उन्हें भी उम्मीद बंधी कि परेशान छात्रों को जल्द अपने तमाम सवालों के जवाब मिल जाएंगे। लेकिन सिंधिया ने अपने संबोधन में छात्रों को यह भी नहीं बताया था कि वह लोग यहां से बाहर कब निकलेंगे। उनकी भारत की फ्लाइट कब है। बल्कि वह उन्हें बता रहे थे कि कुछ कुत्तों को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया है। मेरी नाराजगी इसी बात पर थी कि छात्रों को विस्तार से बताया जाए कि वह कब तक अपने घर सुरक्षित पहुंच जाएंगे। मेयर ने कहाकि मुझे गुस्सा इस बात पर क्योंकि मैं उन बच्चों के दुखी थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांडेसरा में मां-बेटी से दुष्कर्म हत्या के मामले में एक दोषी को फांसी,दूसरे को उम्रकैद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत कोर्ट ने पांडेसरा में माता-बेटी के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषियों को सख्त सजा सुनाई है। कोर्ट ने एक दोषी को सजा ए मौत और दूसरे को उम्र कैद की सजा का आदेश दिया है। यह घटना 6 अप्रैल 2018 को उस समय सामने आई जब सूरत के भेस्तान सांई फकीर क्रिकेट ग्राउंड के निकट 11 साल की किशोरी की लाश मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। किशोरी का शव मिलने के 6 बाद सचिन-मगदल्ला हाईवे पर एक महिला का शव बरामद हुआ, जिसकी गला घोंट कर हत्या कर दी गई थी। सीसीटीवी फूटेज इत्यादि की जांच में काले रंग की कार में कोई महिला का शव यहां फैंक गया होने का पुलिस को पता चला। मृत किशोरी और महिला मां बेटी थी, जिनकी हत्या के बाद दोनों के शव अलग अलग फैंक दिए गए थे। हांलाकि यह डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट सामने आने के बाद पता चला। बाद में यह सूरत क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। काले रंग की कार के आधार पर पुलिस ने आरोपी हर्षसहाय गुर्जर और हरिओम हीरालाल गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। जांच में खुलासा हुआ कि बेटी के सामने ही उसकी मां की गला घोंटकर हत्या कर दी गई और शव सचिन-मगदल्ला हाईवे पर फैंक दिया। जिसके बाद 11 साल की किशोरी को हर्षसहाय गुर्जर अपने घर ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। बाद में किशोरी के गुप्तांग में लकड़ी डालकर निर्दयता पूर्वक उसकी हत्या कर दी। किशोरी का शव बरामद हुआ तब उसके शरीर पर करीब 78 जितने घाव पाए गए थे। दोनों ही मामले एक साथ चलाए गए और 4 मार्च 2022 को सूरत की कोर्ट ने हर्षसहाय गुर्जर और हरिओम गुर्जर को दोषी करार देते हुए सजा के लिए सोमवार का दिन तय किया था। सूरत की अदालत ने आज हर्षसहाय गुर्जर को फांसी की सजा का आदेश दिया। जबकि अपराध में उसकी मदद करने वाले हरिओम गुर्जर को कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई है।

सूरत की कोर्ट ने हर्षसहाय गुर्जर और हरिओम गुर्जर को दोषी

एक तरफा प्यार में पागल शख्स ने महिला पर किया एसिड अटैक, आरोपी की तलाश शुरू

अहमदाबाद,शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में एक तरफा प्यार में पागल युवक 39 वर्षीय महिला पर तेजाब फैंक फरार हो गया। एसिड अटैक में महिला का मुंह और सीने का 15 प्रतिशत झुलस गया है। फिलहाल महिला को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी ओर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र में महिला अपने पति से अलग रहती है। दो संतानों के साथ महिला लोगों के घरों में काम कर जीवनयापन करती है। घरों में काम करने के बाद महिला शिवा नायक नामक ऑटो रिक्शा चालक के घर जाती थी। उस दौरान उसका शिवा नायक से परिचय हुआ और एक-दूसरे से काफी समय तक बातचीत करते। बाद में शिवा नायक उसके साथ मित्रता करने का दबाव बनाने लगा, जिससे महिला ने उसके साथ बातचीत करना बंद कर दिया। बीती रात अचानक शिवा नायक ने अपने घर जा रही महिला को रोक बातचीत करने का प्रयास किया। लेकिन महिला वहां रूकी नहीं और चली गई।

जिससे शिवा भड़क गया और कुछ देर बाद तेजाब से भरी बोतल ले आया और सरेआम महिला पर एसिड छिड़क वहां से फरार हो गया। घाटलोडिया पुलिस ने शिवा नायक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की कवायद तेज कर दी है।

कॉर्पोरेशन की सामान्य सभा में हंगामा, आप के पार्षदों समेत 15 लोगों के खिलाफ रायोटिंग का केस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत महानगर पालिका में सामान्य सभा में हंगामा करने पर आम आदमी पार्टी (आप) के नगर पार्षदों समेत 15 लोगों के खिलाफ शहर की लालगेट पुलिस ने रायोटिंग का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। अतीत में भी इसी प्रकार आप के 22 पार्षदों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और सभी को 24 घंटे पुलिस थाने में रखा गया था, जिसमें महिलाएं भी शामिल थीं। आज भी जिन लोगों के खिलाफ रायोटिंग का मामला दर्ज किया गया है, उसमें 6 महिला पार्षद भी शामिल है। दरअसल मामला यह है कि कुछ दिन पहले सूरत के मुगलीसरा स्थित महानगर पालिका की मुख्य बिल्डिंग पर रिंगरोड स्थित कपड़ा मार्केट की जगह को लेकर आप के कई पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन किया था। उस वक्त सिक्युरिटी के साथ ही लालगेट पुलिस को बुलाया गया था। जहां आप के पार्षदों ने सूरत महानगर पालिका के सिक्युरिटी जवान के साथ गाली-गलौज और मारपीट का प्रयास किया था। जिसे लेकर महानगर पालिका के सिक्युरिटी इंचार्ज ने लालगेट पुलिस थाने में आप के 15 पार्षदों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इस बीच सूरत महानगर पालिका की जगह पर कपडा मार्केट बनाई गई है और यह जगह 99 वर्ष के लीज पर रिन्यू कर रु 127 करोड़ का प्रीमियम सूरत महानगर पालिका में जमा किए जाने का मैसेज वायरल हुआ था। जिसमें प्रत्येक व्यापारी को चार लाख रुपए महानगरपालिका को और एक लाख रुपए भाजपा को देने का खुलासा हुआ है। इस मुद्दे पर आप के पार्षदों ने आज सामान्य सभा में भाजपा शासक अपने फायदे के लिए महानगर पालिका का आर्थिक पहुंचाने के आरोपों के साथ आप के पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। दूसरी ओर सामान्य सभा की ऑफीस के बाहर आप के कार्यकर्ता भी विरोध कर रहे थे। महानगर पालिका के सिक्युरिटी जवानों ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो आप कार्यकर्ता उनसे भिड़ गए। जिससे लालगेट पुलिस को बुलाया गया। आप ने कहा कि जब सूरत महानगर पालिका सुरक्षा पर लाखों रुपए खर्च करती है तो बाहर से पुलिस बुलाने की क्या जरूरत पड़ गई? यह कहते हुए सिक्युरिटी जवानों के साथ गाली-गलौज और मारपीट का प्रयास किया था। इसे लेकर कॉर्पोरेशन के सिक्युरिटी इंचार्ज ने आप के नगर पार्षद समेत 15 लोगों के खिलाफ लालगेट पुलिस थाने में रायोटिंग का मामला दर्ज करवा दिया। जिसमें आप के पार्षद महेश अणधण, कनु गेडिया, पायल साकरिया, घनश्याम मकवाणा के अलावा कार्यकर्ताओं में राजेश मोरडिया, सेजल मालविया, धर्मेन्द्र वावलिया, किरण खोखाणी, अशोक धामी, शोभना केवडिया, जितेन्द्र काछडिया, रचना हीरपरा, विपुल सुहागिया और दीप्ति साकरिया शामिल हैं।

गुजरात में तीन दिन बेमौसमी बारिश का अनुमान, किसानों की चिंता बढ़ी

गुजरात में गर्मी ने दस्तक दे दी है और तापमान 35 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। इस बीच मौसम विभाग ने तीन राज्य में बेमौसमी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के इस अनुमान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक आज से 9 मार्च के दौरान छोटाउदेपुर, नर्मदा, तापी, डांग, सूरत, भरुच, वलसाड, दमण और दादरा नगर हवेली में बेमौसमी बारिश हो सकती है। वहीं सौराष्ट्र के भावनगर, अमरेली, मध्य गुजरात के आणंद, वडोदरा, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, महीसागर, खेडा तथा उत्तर गुजरात के अरवल्ली में भी बेमौसमी बारिश होने का अनुमान है। राज्य में बेमौसमी बारिश होने खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान को लेकर किसानों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक इस दौरान राज्य मं न्यूनतम तापमान 15 से 20 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। वैसे तो गुजरात में ठंड धीरे धीरे बिदा हो रही है और राज्य के ज्यादातर शहरों का तापमान 35 डिग्री के आसपास है। ऐसे में पिछले दो दिन से न्यूनतम तापमान गिरने से सुबह और रात को ठंड तथा दिन के दौरान गर्मी का अहसास हो रहा है। रात्रि के दौरान राज्य में अब भी ठंड महसूस होती है। ऐसे में मौसम विभाग ने तीन दिन बेमौसमी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। इस दौरान राज्य के अन्य हिस्सों में ठंडी हवा चलेगी।